हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 16 नवंबर 2025

11 नशामुक्त पीढ़ी निर्माण के लिए आगे आएं युवा : भवानी सिंह

12 यूथ फेस्टिवल में एमएम कॉलेज ने जीती ओवरऑल चैम्पियन ट्रॉफी

खबर संक्षेप

51 दिवसीय पावन जोत मेला कल से

फतेहाबाद। सर्व श्री वैष्णो भजन मंडल द्वारा 51 दिवसीय पावन जोत मेला महंतों सन्तों के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है। सर्व श्री वैष्णो भजन मंडल परिवार द्वारा 17 नवंबर 2025 से लेकर 7 जनवरी 2026 तक माता की चौकी आयोजित की जाएगी। फतेहाबाद शहर में मात्र 51 रुपए में माता की चौकी कलाकार, दरबार, साउंड सहित की जाएगी। इस पावन जोत मेले के दौरान मां ज्वाला जी की ज्योत 51 घरों में विराजमान होगी।

हेरोइन सहित युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शहर रतिया पुलिस ने हेरोइन सहित एक युवक को काबू किया है। पकड़े गए युवक की पहचान कुलदीप उर्फ डुप्पा पुत्र दर्शन सिंह निवासी खटीक मोहल्ला रतिया के रूप में हुई है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रणजीत सिंह ने बताया कि पीएसआई कंवर सिंह पुलिस टीम सहित शहीद भगत सिंह चौक, रतिया में कानून-व्यवस्था ड्यूटी पर मौजूद थे। इसी दौरान एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई।

इनोवा की टक्कर से बाइक सवार की मौत

फतेहाबाद। नेशनल हाईवे 9 सिरसा रोड पर हुए सडक़ हादसे में इनोवा कार की टक्कर में बाईक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव शहीदांवाली निवासी बलराज के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जिला स्तरीय त्रिवार्षिक प्रतिनिधि सम्मेलन आज

फतेहाबाद। सर्वकर्मचारी संघ फतेहाबाद का 11वां जिला स्तरीय त्रिवार्षिक प्रतिनिधि सम्मेलन 16 नवंबर रविवार को फतेहाबाद में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए अध्यापक संघ के राज्य ऑडिटर सुरजीत दुसाद ने बताया कि पटवार भवन फतेहाबाद में होने वाले इस जिला सम्मेलन का उद्घाटन सर्व कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान धर्मवीर फोगाट करेंगे वहीं मुख्य वक्ता के तौर पर संघ के पूर्व राज्य कोषाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद बाटू भाग लेंगे।

नाम सिमरन समारोह का आयोजन आज

रतिया। गुरुद्वारा श्री गुरु ग्रंथ साहिब अंगीठा साहिब नथवान में 16 नवंबर रविवार को नाम सिमरन समारोह का आयोजन किया जाएगा व इस मौके पर भाई रूपिंद्र सिंह, लुधियाना कार्यक्रम में विशेष रूप से शामिल होंगे। इस बारे जानकारी देते हुए गुरद्वारा साहिब के सेवादारों ने बताया कि परंतु महीने के तीसरे रविवार विशेष रूप कार्यक्रम का आयोजन होगा।

2145 स्थानों पर मिला डेंगू लारवा, 2,500 बुखार पीड़ितों की पहचान

फतेहाबाद में डेंगू-चिकनगुनिया के बढ़ते मामले, स्वास्थ्य विभाग ने तेज की जांच

- *फतेहाबाद में चिकनगुनिया के 4 मामले, 25 डेंगू पॉजिटिव*
- *स्वास्थ्य विभाग ने टोहाना और जाखल में शुरू किया सर्वे*
- *मच्छर लारवा पाए जाने पर 2706 लोगों को नोटिस जारी*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

रात के समय ठंड और दिन के समय गर्मी अधिक पडऩे के कारण लोग बीमार हो है। अब तो दिन के समय मच्छर भी अधिक हो गए है। दरअसल, घरों में जहां पानी भरा हुआ है वहां पर डेंगू का लारवा मिला रहा है। पंजाब से सटे जिले के जाखल व टोहाना क्षेत्र में डेंगू के ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। अब तक यहां 25 लोग डेंगू पॉजिटिव मिल चुके हैं। चिंताजनक बात यह है कि 4 साल बाद जिले में चिकनगुनिया की फिर से एन्ट्री हो गई है। जिले में चिकनगुनिया के 4 मामले सामने आ चुके हैं। डेंगू व चिकनगुनिया के बढ़ते केसों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है और टोहाना व जाखल क्षेत्र में सर्वे अभियान शुरू कर दिया है। विभाग की टीमें गांवों में जाकर पीड़ितों की स्लाइड बनवा रही हैं और घर-घर लारवा की जांच कराई जा रही है। पिछले रेपिड फीवर सर्वे में हर माह लगभग 2,000 से 2,500 बुखार पीड़ितों की पहचान हो रही है, और अब तक 2,145 स्थानों पर मच्छर लारवा पाया जा चुका है। जिले में डेंगू पीड़ितों का आंकड़ा बढक़र 25 हो गया है। फतेहाबाद शहर में भी डेंगू का एक मरीज मिला है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने जांच तेज कर दी है। हालांकि जो केस मिले है वो अब पूरी तरह ठीक है। राहत की बात ये है कि पिछले साल की अपेक्षा इस बार कम ही केस आ रहे है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग इसे हलके में नहीं ले रहा है। स्वास्थ्य विभाग लगातार सर्वे कर रहा है। अक्टूबर महीने से विभाग द्वारा सर्वे शुरू किया गया था जोकि अभी भी जारी है। अब तक विभाग द्वारा कुल 3 लाख 53 हजार 206 स्थानों को चैक किया गया है, जिसमें से 2145 जगह डेंगू का लारवा मिल चुका है। इनमें से 2706 लोगों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा नोटिस जारी किए गए हैं।

फतेहाबाद। नागरिक अस्पताल में ओपीडी के लिए लगी लाइन। *फोटो : हरिभूमि*

मलेरिया व डेंगू के लक्षण

- सिर में तेज दर्द होता है।
- पीठ में दर्द होता है।
- तेज बुखार आता है।
- मांसपेशियों, हड्डियों व जोड़ों में तेज दर्द होता है।
- आंखों के पीछे दर्द होता है।
- मांसपेशियों में सूजन आ जाती है।

इस प्रकार करें बचाव

- दरवाजे व खिड़कियां बंद रखे।
- पूरी बाजू के कपड़े पहनें तथा पैर भी कपड़ों से पूरी तरह ढके हों।
- घर के आसपास साफ सफाई रखें और पानी जमा न होने दें।
- टंकी भी साफ हो।
- रात को सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें।
- मच्छर के काटने से बचाव के लिए सोते समय हाथ-पैरों पर क्रीम का प्रयोग करें।

लोगों से ध्यान रखने की अपील

जिले में डेंगू की स्थिति कंट्रोल में है। टोहाना में उपचार के लिए पंजाब से काफी मरीज आ रहे है, जांच के दौरान डेंगू और चिकनगुनिया पॉजिटिव मिल रहे हैं। विभाग की टीमों को निर्देश दिए हैं कि पंजाब और सिरसा क्षेत्र के आसपास सर्वे बढ़ाया जाए और लारवा मिलता है तो उसे नष्ट किया जाए। लोगों से अपील है कि वो थोड़ा ध्यान रखे। अगर ध्यान रखेंगे तो इस बीमारी से बचा जा सकता है।

-विष्णु मित्तल, जिला महामारी रोकथाम विशेषज्ञ

पिछले नौ सालों में डेंगू और मलेरिया के ये मिले मरीज

वर्ष	डेंगू मरीज	मलेरिया मरीज
2015	189	107
2016	38	59
2017	419	42
2018	56	02
2019	29	05
2020	35	00
2021	993	01
2022	154	00
2023	89	02
2024	129	02
2025	25	00

पराली से भरी ट्राली में लगी आग, बड़ा नुकसान टला

फतेहाबाद। पराली प्रबंधन को लेकर खेतों का दौरा करती टीम।

फायर ब्रिगेड और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने पाया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद में आज एक पराली से भरी ट्राली में आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से आग पर काबू पाया गया, जिससे किसी बड़े नुकसान की संभावना टल गई। दरअसल, पराली प्रबंधन अभियान के तहत उपमंडल नोडल अधिकारी डॉ. रामेश्वर, खंड नोडल अधिकारी डॉ. जय कुमार तथा कृषि विकास अधिकारी डॉ. अंकित ढिल्लों ने पुलिस एवं फायर ब्रिगेड टीम के साथ फतेहाबाद क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर रही थी। दौरे के दौरान टीम को एक पराली से भरी ट्रॉली में आग लगी होने की जानकारी मिली। प्रशासनिक टीम तुरंत मौके पर पहुँची और फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। फायर ब्रिगेड और जेसीबी के सहयोग से आग पर जल्द काबू पा लिया गया, जिससे किसी बड़े नुकसान की संभावना टल गई।

किसानों को किया जागरूक

इस दौरान अधिकारियों ने खेतों का निरीक्षण करते हुए किसानों को पराली न जलाने के लिए प्रेरित किया तथा उन्हें सरकार द्वारा चलाई गई फसल अवशेष प्रबंधन स्कीम की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने किसानों को बताया कि पराली जलाने से न केवल मिट्टी की उर्वरता पर विपरीत प्रभाव पड़ता है, बल्कि वायु प्रदूषण बढऩे से मानव स्वास्थ्य, पशुधन और पर्यावरण पर भी गंभीर असर पड़ता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे पराली प्रबंधन के लिए बेलर, हैप्पी सीडर, सुपर सीडर आदि उपकरणों का उपयोग करें और विभागीय टीमों के साथ पूर्ण सहयोग बनाए रखें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य किसानों को समझाकर, सहयोग से और जागरूकता के माध्यम से पराली जलाने की घटनाओं को रोकना है, ताकि कृषि और पर्यावरण दोनों को सुरक्षित रखा जा सके।

श्री रघुनाथ मंदिर में संकीर्तन महासम्मेलन का आगाज

- प्रभात फेरी के साथ हुआ शुभारंभ, श्रद्धालुओं ने किया सहभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

श्री हरिनाम संकीर्तन मंडल ट्रस्ट द्वारा शिव चौक स्थित श्री रघुनाथ मंदिर में 31वें वार्षिक संकीर्तन महासम्मेलन और श्री मद्भागवत कथा का आयोजन 21 से 23 नवंबर तक किया जा रहा है। प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक कथा होगी जबकि 23 नवंबर को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक कथा होगी। मंडल प्रधान अशोक मुंजाल ने बताया कि वार्षिक संकीर्तन महासम्मेलन के उपलक्ष्य में आज श्री रघुनाथ मंदिर से सुबह 5 बजे प्रभात फेरी की शुरूआत की गई, जिसमें रसिकजनों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

नगर कीर्तन निकाला जाएगा

मुंजाल ने बताया कि 21 से 23 नवंबर तक चलने वाले इस महासम्मेलन में वृंदावन से पधारे धीरज कृष्ण शास्त्री के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा का अमृतपान होगा। महासम्मेलन का आरंभ 20 नवंबर को सत्यम देवा महाराज, उमंग सरदाना, महक मल्होत्रा, प्रधान अशोक मुंजाल के नेतृत्व में सैंकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा शहर में एक विशाल नगर कीर्तन निकाला जाएगा।

एनसीबी ने तीन स्थानों से पकड़े नशा तस्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

- बड़ी मात्रा में नशीली दवाइयां और हेरोइन की बरामद

हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की सिरसा यूनिट ने कार्यवाही करते हुए तीन अलग-अलग सर्च ऑपरेशनों में तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाईयों में हैरोइन और नशीली टैबलेटस की बड़ी मात्रा बरामद की गई है। यूनिट इंचार्ज वीरेंद्र सिंह ने बताया कि पहले मामले में सब्जी मंडी क्षेत्र में टीम ने घेराबंदी कर मौके से एक संदिग्ध को काबू किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान अनाज मंडी निवासी पंकज के रूप मे हुई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से कुल 900 नशीली टैबलेटस बरामद की गई। दूसरे मामले में ब्यूरो की यूनिट इंचार्ज ने बताया कि एएसआई गुरलाल ने अपनी टीम के साथ घुकांवाली में घेराबंदी कर मौके से एक संदिग्ध को काबू किया। आरोपी की पहचान जगप्रीत सिंह निवासी गांव घुकांवाली के रूप में हुई है। तीसरे मामले में थाना शहर सिरसा यूनिट की टीम ने कार्रवाई करते हुए पुरानी हाउसिंग निवासी गौरव नागपाल को गिरफ्तार किया है।

नगर परिषद में हाउस की बैठक 19 को पार्षदों के एजेंडों पर लग सकती है मुहर

- पार्षद अधिकारियों से पिछले प्रस्तावों पर जवाब मांगेंगे

फतेहाबाद। विकास कार्यों न होने से खफा पार्षदों द्वारा किए गए आंदोलन के बाद अधिकारियों की नींद खुली है। हरकत में आए अधिकारियों ने विकास कार्यों को अंतिम रूप देने के लिए 19 नवंबर को नगरपरिषद हाऊस की बैठक बुलाई है। इस बैठक में पार्षदों से उनके वार्डों में होने वाले विकास कार्यों को लेकर एजेंडे लिए जाएंगे और उन पर चर्चा के बाद मोहर लगाई जाएगी। हाऊस की बैठक में एजेंडे रखने को लेकर पार्षदों ने भी कमर कस ली है और वे भी लिस्ट बनाने में लगे हैं। बैठक में मनोनीत पार्षदों को शपथ दिलवाई जाएगी और पार्षद अधिकारियों से पिछले प्रस्तावों पर जवाब मांगेंगे। ऐसे में बैठक के हंगामेदार होने की संभावना है। इस बैठक में 27 पार्षदों के अलावा सांसद कुमारी सैलजा और विधायक बलवान सिंह को भी आमंत्रित किया गया है।

ऑनलाइन ट्रांसफर से पहले प्रोफाइल वेरिफाई करें विभाग

- प्राथमिक शिक्षकों की मांगों को लेकर डीईओ से मिला प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ, जिला फतेहाबाद का प्रतिनिधिमंडल प्राथमिक शिक्षकों एवं विद्यालयों से जुड़ी विभिन्न लंबित मांगों के संदर्भ में जिला अध्यक्ष योगेंद्र वर्मा के नेतृत्व में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई से मिला। डीईओ के साथ हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने अपनी लंबित मांगों को अधिकारी के समक्ष विस्तार से रखा और इनके जल्द समाधान करने की मांग की।

प्रमुख मांगें

संघ के जिला अध्यक्ष योगेन्द्र वर्मा ने बताया कि बैठक में प्राथमिक शिक्षकों ने मांग रखी कि जिले की लंबित सीनियरिटी लिस्ट को तुरंत प्रभाव से जारी किया जाए। आगामी ऑनलाइन ट्रांसफर ड्राइव से पहले एमआईएस पर शिक्षकों की लंबित प्रोफाइल, जिन्हें जिला स्तर पर वेरीफाई किया जाना है, शीघ्र वेरीफाई की जाएं। एलटीसी बजट तुरंत जारी किया जाए। प्राथमिक शिक्षकों का नोशन पे लाभ, जो लंबे समय से लंबित है, तत्काल प्रदान किया जाए। सिंगल टीचर स्कूलों में सरप्लस शिक्षकों की नियुक्ति कर शिक्षकों की कमी को दूर किया जाए।

एनडीपीएस के दो मामलों में फरार आरोपी राकेश पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित

- मामले में 1800 अल्प्राजोलम टैबलेट की कमर्शियल मात्रा बरामद की गई थी

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के दो गंभीर मामलों में फरार चल रहे आरोपी पर इनाम घोषित किया है। पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार राकेश पुत्र दुर्गा निवासी अम्बरा, जिला खीरी, उत्तर प्रदेश 16 मई को एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामले में वांछित है। इस मामले में 1800 अल्प्राजोलम टैबलेट की कमर्शियल मात्रा बरामद की गई थी। आरोपी पिछले काफी समय से फरार चल रहा है तथा गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार स्थान बदल रहा है। इसके अतिरिक्त, आरोपी राकेश थाना शहर जींद में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के एक अन्य मामले में भी वांछित है। दोनों मामलों में आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस लगातार सतर्कता, तकनीकी निगरानी और गश्त बढ़ाकर प्रयास जारी रखे हुए है।

सिरसा। सोना चोरी के आरोपी पुलिस की गिरफ्त में।

तोले सोने के आभूषण चुराने के दो आरोपी दबोचे

सिरसा। शहर थाना सिरसा पुलिस ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर सोने के आभूषण चुराने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शहर थाना प्रभारी संदीप सिंह ने बताया कि बीती 9 दिसंबर 2024 को गांव बनसुधार निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सिरसा बस स्टेंड से बस में बैठकर अपने गांव बनसुधार जा रहा था। इस दौरान बीच रास्ते बस जब रेलवे फाटक सिरसा के नजदीक पहुंची तो उसने अपना बैग चेक किया तो बैग से लेडीज पर्स गायब था जिसमें करीब 14 तोले सोने के आभूषण थे जिसे किसी ने चुरा लिया था। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर थाना शहर सिरसा में अज्ञात के खिलाफ आभूषण चोरी का मामला दर्जकर जांच शुरू की गई थी। इसी कड़ी में पुलिस ने जांच के दौरान महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को बस स्टेंड सिरसा से गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान विनोद व टोनी निवासी मसूदपुर हांसी, जिला हिसार के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों को अब अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा और रिमांड अवधि के दौरान आरोपियों से पूछताछ कर सोने के आभूषण बरामद किए जाएंगे।

कार सवार युवक अवैध पिस्तौल सहित दबोचा

सिरसा। सीआईए सिरसा पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर बड़ागुढ़ा क्षेत्र से कार सवार एक युवक को 315 बोर के अवैध पिस्तौल व तीन जिंदा कारतूस के साथ काबू किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी सुखजीत सिंह ने बताया कि सीआईए सिरसा की एक पुलिस टीम नाकाबंदी के दौरान बडागुढ़ा क्षेत्र में मौजूद थी। इस दौरान गांव दौलतपुर खेड़ा की ओर से एक कार आती हुई दिखाई दी जिसके चालक ने पुलिस को देखकर वहां से फरार होने की कोशिश की, मगर पुलिस ने तत्परता से कार चालक को काबू कर लिया मगर इसी दौरान कार सवार पांच छह अन्य युवक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने कार चालक को काबू कर लिया।

बिहार में मिली जीत का भाजपाइयों ने मनाया जमकर जश्न, बांटे लड्डू

बिहार में मिली जीत कार्यकर्ताओं में भरेगी नई ऊर्जा : जोड़ा

विपक्ष के बहकावे को जनता ने नकारा, एनडीए पर जताया विश्वास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

बिहार में एनडीए की प्रचण्ड जीत की खुशी में शनिवार को बीजेपी जिला कार्यालय में जमकर जश्न मनाया गया। बीजेपी जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांटकर तथा ढोल नंगाड़ों पर झूमकर खुशी मनाई। इससे पूर्व जवाहर चौक में भी बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया, जहां जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा व जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य ने कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचकर जश्न में हिस्सा लिया।

फतेहाबाद। बिहार में जीत के बाद लड्डू खिलाते बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा।

बिहार की जनता का जताया आभार

बीजेपी जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने कहा कि बिहार में एनडीए की प्रचण्ड जीत दर्शाती है कि जनता कांग्रेस व अन्य विपक्षियों के झूठे बहकावों में फंसने वाली नहीं। बिहार सहित पूरे देश की जनता अच्छे और बुरे की पहचान रखती है। विपक्षियों ने महागठबंधन करके भी जो षड्यंत्र रचे, उसे भी जनता ने पूरा नहीं होने दिया और विपक्षियों को मुंह तोड़ जवाब देकर एक बार फिर एनडीए की सरकार पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत का जो सपना देखा था, उसे में बिहार की जनता ने भी अपनी भागेदारी सुनिश्चित कर दी है। बिहार के मतदाताओं का आभार जताते हुए जोड़ा ने कहा कि यह जीत सभी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और नई ऊर्जा भरने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि बिहार के चुनावी परिणाम स्पष्ट संकेत देते हैं कि जनता अब उन्हीं सरकारों पर भरोसा कर रही है जो वास्तविक कार्य करती हैं और जिनकी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं। इस अवसर पर चेयरमैन भारत भूषण मिढ़ा, भाजपा नेता अशोक जाखड़, जगदीश शर्मा, मार्केट कमेटी के वाईस चेयरमैन इन्द्र गावड़ी, डॉ. सुमन बजाज, जिला परिषद चेयरमैन प्रतिनिधि सुभाष खीचड़, परमजीत बैनीवाल, मनोनीत पार्षद जगदीश नायक सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शेयर बाजार Vs एसआईपी बेहतर है कौन

प्लानिंग | बिजनेस डेस्क

अगर आप भी एक नए निवेशक हैं और अपने पैसों को शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले आपको दोनों में से कहां से शुरुआत करनी चाहिए। आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं। आइए जानते हैं।

पैसों का निवेश जरूरी

पैसों का निवेश करना बहुत ही जरूरी होता है। ऐसे में हर व्यक्ति को अपनी बचत को एक अच्छी जगह निवेश जरूर करना चाहिए, जिससे वह अपनी वेल्थ को बढ़ा सकें। पैसों को निवेश करने के लिए कई सारे विकल्प मौजूद हैं। कुछ लोग सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं, जिसके लिए वह बैंक एफडी और स्मॉल सेविंग स्कीम में अपने पैसों का निवेश करते हैं। वहीं कुछ लोग ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए रिस्क लेते हैं और शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में अपने पैसों का निवेश करते हैं। अगर आप भी एक नए निवेशक हैं, और अपने पैसों को शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले आपको दोनों में से कहां से शुरुआत करनी चाहिए. आज हम आपको इसी के बारे में बताने वाले हैं।

आइए जानते हैं नए निवेशक कहां से शुरू करें निवेश

बात करें शेयर बाजार में निवेश की तो शेयर बाजार में निवेश काफी रिस्क भरा होता है। किसी भी कंपनी के शेयर खरीदने पर आपको कितना रिटर्न मिलेगा, यह सीधा शेयर की कीमत पर निर्भर करता है। शेयर की कीमत बढ़ भी सकती है और घट भी सकती है। कीमत घटने पर आपको नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले आपको कंपनी के कारोबार, बैलेंस शीट और सेक्टर ट्रेंड्स की समझ जरूर होनी चाहिए। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले आपको म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए।

नए निवेशकों के लिए म्यूचुअल फंड बेस्ट

अब बात कर लेते हैं म्यूचुअल फंड में निवेश की, तो शेयर बाजार में पहले न निवेश कर आपको सबसे पहले एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए। म्यूचुअल फंड के जरिए भी आपके पैसे शेयर बाजार में ही लगाए जाते हैं लेकिन यह पैसे कब और कैसे और कितना लगाना है, यह फंड मैनेजर तय करते हैं। एसआईपी में आप बस हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करते हैं। लंबे समय तक निवेश कर आप यहां औसतन 12 प्रतिशत की दर से रिटर्न पा सकते हैं। शुरुआत में म्यूचुअल फंड में निवेश कर आप बाजार की चाल को समझ सकते हैं और आपको शेयर बाजार की समझ भी होगी। ऐसे में शेयर बाजार में निवेश करने से पहले एक बार म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

▶▶ आप 80 हजार रुपये या 2 लाख रुपये महीना कमाएं। बिना किसी सही मनी प्लान के यह पैसा आपकी सोच से भी तेज गायब हो जाता है।'

अनजाने और अनचाहे खर्च को रोकना होगा, मिडिल क्लास को नहीं रहेगी टेंशन

सैलरी मिलने के कुछ दिन बाद ही पर्स हो जाता है खाली, ये टिप्स आएंगे काम

उदाहरण से समझें : रिया 90,000 रुपये महीना कमाती हैं। वह हर महीने लगभग 20,000 रुपये सिर्फ रोज की कॉफी, लंच, स्नैक्स और वीकेंड पर बाहर घूमने में खर्च कर देती हैं। यह साल का 2.4 लाख रुपये हो जाता है। अगर इसकी आधी रकम भी 11% सालाना रिटर्न के साथ निवेश की जाए तो पांच साल में 8.4 लाख रुपये का फंड बन सकता है।

महीने की शुरुआत में जब फोन पर सैलरी अकाउंट में क्रेडिट होने का मैसेज आता है तो काफी खुशी होती है। लेकिन यह खुशी कुछ दिनों तक ही रहती है। 15-20 दिन गुजरने के बाद आर्थिक तंगी के हालात शुरू हो जाते हैं। ऐसा काफी लोगों के साथ होता है। मिडिल क्लास के साथ तो लगभग हर महीने यही स्थिति रहती है। 15-20 दिन बीतने के बाद चिंता सताने लगती है कि आखिर सैलरी का पैसा कहां खर्च हो गया? एक्सपर्ट ने कुछ सुझाव दिए हैं जिसमें इसका कारण और समाधान भी बताया है गया है। एक्सपर्ट के अनुसार हमसे कुछ अनजाने और अनचाहे खर्च ऐसे हो जाते हैं जिनके कारण धीरे-धीरे सैलरी का पैसा खर्च होना शुरू हो जाता है। हालात कई बार ऐसे आ जाते हैं कि सैलरी मिलने के 20 दिन बाद ही बटुआ खाली हो जाता है। समस्या यह नहीं है कि आप कितना कमाते हैं, बल्कि यह है कि आप उस पैसे को कैसे मैनेज करते हैं।

कहां गया सारा पैसा?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक 'आपकी सैलरी अभी-अभी क्रेडिट हुई है। वो खुशी वाला अलर्ट देखकर मुस्कान आ जाती है, है ना? लेकिन 20 दिन बाद आपका यूपीआई बैलेंस आपको सोचने पर मजबूर कर देता है- सारा पैसा कहां गया? यह कहानी कई मिडिल क्लास भारतीयों की है।'

आपकी लाइफ कैसी होगी यह आपके कमाने पर निर्भर नहीं होता है, बल्कि यह निर्भर करता है कि आप बचाते कितना है। उन्होंने लिखा है, 'आप 80 हजार रुपये या 2 लाख रुपये महीना कमाएं। बिना किसी सही मनी प्लान के यह पैसा आपकी सोच से भी तेज गायब हो जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि दौलत सिर्फ कमाई से नहीं, बल्कि मैनेजमेंट और लगातार कोशिशों से बनती है।

उदाहरण से समझें गणित

अपनी बात को समझाने के लिए हम एक उदाहरण का सहारा लेते हैं। एक लड़की रिया जो एक कंसल्टेंट हैं और 90,000 रुपये महीना कमाती हैं। वह हर महीने लगभग 20,000 रुपये सिर्फ रोज की कॉफी, लंच, स्नैक्स और वीकेंड पर बाहर घूमने में खर्च कर देती हैं। यह साल का 2.4 लाख रुपये हो जाता है। अगर इसकी आधी रकम भी 11% सालाना रिटर्न के साथ निवेश की जाए तो पांच साल में 8.4 लाख रुपये का फंड बन सकता है। छोटे-छोटे फैसले चुपके से बड़ी दौलत बन जाते हैं।

आखिर क्यों 'गायब' हो जाती है सैलरी

सैलरी गायब होने के पीछे असली वजह अनकॉन्शियस स्पेंडिंग यानी ऐसे खर्च है जो अनजाने में होता है। कई बार ऐसे छोटे खर्चे होते हैं जिन पर ध्यान नहीं दिया जाता। उनके मुताबिक हमारा दिमाग बड़े खर्चे पहचान लेता है लेकिन छोटे खर्चे जैसे- रोजाना का खर्च, सब्सक्रिप्शन, अचानक कुछ खरीदना आदि खर्च का पता ही नहीं चलता। इस कारण हर महीने 25 से 40 हजार रुपये चुपके से खर्च हो जाते हैं। यही कारण है कि सैलरी आने के बाद महीना खत्म होने से पहले ही बटुआ खाली हो जाता है।

ये हैं काम के टिप्स

ऐसे अनचाहे खर्च को रोकने और पैसे पर कंट्रोल के लिए 4 टिप्स हैं। अपनी सैलरी की तरह हर महीने बचत को ऑटोमेटिक कर लें। इसके लिए किसी मुश्किल अकाउंट की जरूरत नहीं है। **बस 4 आसान पॉकेट बना लें।**

ये इस प्रकार हैं :

1. सैलरी हब : यह आपका मुख्य इनकम अकाउंट है। यानी आपकी सैलरी इसी अकाउंट में आती है।
2. सेफ्टी नेट : इसमें इमरजेंसी फंड और लक्ष्य-आधारित बचत के लिए पैसा रखें। यह रकम 60:40 के रेश्यो में होनी चाहिए।
3. ग्रोथ इंजन : यह अकाउंट सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) और ऑटोमेटेड इन्वेस्टमेंट के लिए है।
4. डेली एक्सपेंसेस: यह अकाउंट यूपीआई और बिल पेमेंट के लिए है। यह आपकी सेविंग से अलग होगा।

टाइमिंग का रखें ध्यान

ऊपर बताए चार पॉकेट में पैसा समय पर इन्वेस्ट कर दें। यहां टाइमिंग बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोगों की सैलरी महीने की आखिरी तारीख (30 या 31) या 1 तारीख को आ जाती है। ऐसे में हर महीने की 2 तारीख को ऑटोमेटिक ट्रांसफर सेट करें। महीने के बीच में खर्चों की समीक्षा करें और 25 तारीख तक अगले महीने की तैयारी कर लें।

ये तीन मंत्र काम के

पैसा कमाना एक स्किल है। पैसा बचाना एक आर्ट है और पैसे को कंपाउंड करना (ब्याज पर ब्याज कमाना) साइंस है। इन तीनों में महारत हासिल करें। ऐसे में फाइनेंशियल फ्रीडम अपने आप मिल जाएगी। पैसे का सही प्रयोग ही हमें जल्दी अमीर बना सकता है।

एक लाख 3 साल की एफडी में निवेश करने पर कौन सा बैंक दे रहा है सबसे ज्यादा रिटर्न

नॉलेज | बिजनेस डेस्क

आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं। आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं।

आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं. आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं। जब भी पैसों को निवेश करने की बात आती है, तो ज्यादातर लोग अपने पैसों को बैंक एफडी में ही निवेश करना पसंद करते हैं. इसका कारण एफडी में मिलने वाला फिक्स्ड रिटर्न और पैसों की सुरक्षा है. देश के अलग अलग बैंकों द्वारा अपनी अलग अलग अवधि वाली एफडी पर अलग अलग ब्याज दर से रिटर्न ऑफर किया जाता है. आज हम आपको देश के अलग अलग बैंकों की 3 साल की अवधि वाली एफडी और उनमें मिलने वाले रिटर्न के बारे में बताने वाले हैं. आइए जानते हैं देश के कौन से बैंक में आप 3 साल की एफडी में निवेश कर ज्यादा रिटर्न पा सकते हैं।

प्राइवेट बैंक इंडसइंड बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में सबसे ज्यादा ब्याज दर से रिटर्न ऑफर कर रहा है। इस बैंक की 3 साल की एफडी की ब्याज दरें 6.65 प्रतिशत हैं। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,950 रुपये मिलेंगे।

एक्सिस बैंक की 3 वर्ष की एफडी

प्राइवेट बैंक एक्सिस बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.60 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,800 रुपये मिलेंगे।

एचडीएफसी की 3 वर्ष की एफडी

प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.40 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,19,200 रुपये मिलेंगे।

एसबीआई की 3 साल की एफडी

सरकारी बैंक एसबीआई अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.30 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,18,900 रुपये मिलेंगे

केनरा बैंक की 3 वर्षीय एफडी

सरकारी बैंक केनरा बैंक अपनी 3 साल की अवधि वाली एफडी में 6.25 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न ऑफर करता है। ऐसे में अगर आप इस एफडी में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो आपको मैच्योरिटी पर कुल 1,18,750 रुपये मिलेंगे।

एफडी के अलावा इन 5 सरकारी स्कीम में करें पैसों का सुरक्षित निवेश

बैंक एफडी के अलावा भी सुरक्षित निवेश के लिए कई सारे विकल्प मौजूद हैं। एफडी के अलावा आप सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम में अपने पैसों का निवेश कर सकते हैं। आइए जानते हैं।

जब भी पैसों को निवेश करने की बात आती है तो ज्यादातर लोग अपने पैसों को केवल बैंक एफडी में ही निवेश करते हैं क्योंकि बैंक एफडी में पैसा सुरक्षित रहता है यानी पैसों के खो जाने का कोई डर नहीं होता है लेकिन बैंक एफडी के अलावा भी ऐसी कई स्कीम हैं, जहां लोग अपने पैसों को सुरक्षित तरीके से निवेश कर सकते हैं और काफी अच्छा रिटर्न पा सकते हैं। हम बात कर रहे हैं सरकार की स्मॉल सेविंग स्कीम के बारे में। स्मॉल सेविंग स्कीम में आपको एक निश्चित ब्याज दर से रिटर्न मिलता है, और यह सरकारी स्कीम है. ऐसे में आपको पैसों की पूरी सुरक्षा भी मिलेगी। आइए जानते हैं बैंक एफडी के अलावा आप किस-किस सरकारी स्कीम में पैसों का निवेश कर सकते हैं

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट यानी एनएससी पोस्ट ऑफिस की सरकारी स्कीम है, जहां आपको 5 साल की अवधि के लिए अपने पैसों का निवेश करना होता है। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट में आपको 7.7 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है।

सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम

अगर आपकी उम्र 60 साल से अधिक है तो आप सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम में 5 सालों के लिए अपने पैसों को निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है। यहां आप अधिकतम 30 लाख रुपये का निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस आरडी

अगर आप एक साथ निवेश न कर थोड़ा थोड़ा निवेश करना चाहते हैं तो आप पोस्ट ऑफिस की आरडी में निवेश कर सकते हैं. यहां आपको हर महीने एक निश्चित रकम निवेश करनी होती है. इस स्कीम का मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का होता है। आरडी में 6.7 प्रतिशत की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है।

किसान विकास पत्र

पोस्ट ऑफिस की किसान विकास पत्र यानी केवीपी स्कीम में आप अपने पैसों को 115 महीनों के लिए निवेश करके उन्हें डबल बना सकते हैं। किसान विकास पत्र स्कीम में 7.5 प्रतिशत सालाना की ब्याज दर से रिटर्न मिलता है. ऐसे में आप यहां भी निवेश कर सकते हैं।

स्मार्ट निवेशक ऐसे पहचानते हैं म्यूचुअल फंड बेचने का सही वक्त

सुझाव
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टमेंट करने की बात तो हर निवेशक करता है, कौन सा फंडसबसे अच्छा है, कौन सा फंड मैनेजर बेहतर रिटर्न दे रहा है, या कौन सी स्कीम में पैसा लगाना चाहिए। हालांकि जब बात आती है म्यूचुअल फंड बेचने की, तो ज्यादातर लोग या तो गलत समय पर बेच देते हैं या फिर कभी बेचते ही नहीं, जबकि सच यह है कि जितना जरूरी इन्वेस्टमेंट करना है, उतना ही जरूरी है सही समय पर बेचना भी। अगर आप यह नहीं जानते कि म्यूचुअल फंड कब बेचना चाहिए, तो आपका अच्छा फंड भी नुकसान में बदल सकता है। अक्सर ऐसा होता है कि मार्केट में गिरावट आते ही निवेशक घबरा जाते हैं और अपने फंड को बेच देते हैं। यह सबसे आम लेकिन सबसे बड़ी गलती होती है। जैसे कि 2008 के वित्तीय संकट के दौरान कई निवेशकों ने डरकर अपने फंड बेच दिए थे, लेकिन उस टाइम पर अगर उन्होंने धैर्य रखा होता, तो अगले पांच सालों में उनकी रकम दोगुनी हो सकती थी, तो इसलिए, मार्केट गिरने पर डरकर फंड बेचना नहीं, बल्कि धैर्य रखना जरूरी होता है।

गलत समय पर म्यूचुअल फंड बेचने से हो सकता है भारी नुकसान

कब नहीं बेचना चाहिए?

कई बार फंड कुछ महीनों के लिए खराब प्रदर्शन करते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि फंड खराब है। हर इन्वेस्टमेंट प्रोडक्शन के उतार-चढ़ाव के चक्र होते हैं। अगर आपने किसी उद्देश्य के लिए निवेश किया है, जैसे बच्चे की पढ़ाई, शादी या रिटायरमेंट, तो बीच में फंड बेचने की गलती न करें। इसके अलावा, सिर्फ इसलिए फंड न बेचें क्योंकि आपका कोई दोस्त या रिश्तेदार किसी नए फंड में निवेश कर रहा है। वैसे निवेशकों को औसतन करीब 3-4% कम रिटर्न मिल सकता है क्योंकि वे गलत समय पर फंड बेच देते हैं, यानी निवेशक खुद अपने नुकसान के जिम्मेदार बन जाते हैं।

कब बेचना चाहिए फंड?

म्यूचुअल फंड में निवेश जितना जरूरी है, उतना ही अहम है सही समय पर उसे बेचना। फंड को बेचना किसी जल्दबाजी का नहीं बल्कि एक रणनीतिक फैसला होना चाहिए। अगर आपका फाइनेंशियल टारगेट जैसे बच्चे की शिक्षा, घर खरीदना या रिटायरमेंट पूरा हो गया है, तो मुनाफा बुक कर लेना समझदारी है। वहीं, अगर कोई फंड लगातार 2-3 साल से खराब प्रदर्शन कर रहा है या अपने बेंचमार्क से पिछड़ रहा है, तो इसे बदलने का समय आ गया है। जिंदगी में फाइनेंशियल बदलाव जैसे नौकरी छूटना या रिटायरमेंट की स्थिति में जोखिम कम करना चाहिए। इसके अलावा, जब मार्केट ऊंचाई पर हो, तब आंशिक मुनाफा निकालकर अपनी पूंजी सुरक्षित करना बेहतर प्लानिंग मानी जाती है।

फंड बेचने से पहले ये रखें ध्यान

म्यूचुअल फंड बेचने से पहले जल्दबाजी में कोई कदम उठाना नुकसानदायक हो सकता है। सबसे पहले अपने फंड की पूरी समीक्षा करें, क्या फंड मैनेजर, निवेश प्लानिंग या खर्च संरचना में कोई बड़ा बदलाव हुआ है? अगर हां, तो स्थिति को समझकर निर्णय लें। किसी भी कदम से पहले अपने फाइनेंशियल सलाहकार की राय जरूर लें, ताकि नुकसान से बचा जा सके। तो याद रखें, म्यूचुअल फंड एक लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट है इसलिए बाजार के उतार-चढ़ाव में घबराने की बजाय धैर्य रखें और अपनी वित्तीय योजना से भटकें नहीं। भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच इसका आकार 64.96 लाख करोड़ से बढ़कर 75.35 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को पेश करता है।

सही डिसीजन पर टिका है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में असली सफलता सिर्फ अच्छे फंड चुनने से नहीं, बल्कि सही समय पर निर्णय लेने से आती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए गिरावट से घबराने की बजाय अपने फाइनेंशियल टारगेट पर फोकस रखें। समय पर फंड बेचना न सिर्फ आपकी पूंजी बचाता है, बल्कि मुनाफे को भी दोगुना कर सकता है।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में जबरदस्त ग्रोथ

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। जुलाई 2024 से जुलाई 2025 के बीच इसका आकार 64.96 लाख करोड़ से बढ़कर 75.35 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को पेश करता है। यह साबित करता है कि लोग अब पारंपरिक निवेश की बजाय म्यूचुअल फंड्स को दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण का साधन मान रहे हैं। हालांकि, केवल निवेश करना ही काफी नहीं है। सही समय पर फंड बेचना भी एक समझदार निवेशक की पहचान होती है। बाजार की स्थिति, अपने लक्ष्य और फंड के प्रदर्शन को समझकर निर्णय लेना ही सफल निवेश की कुंजी है।

सही डिसीजन पर टिका है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड में असली सफलता सिर्फ अच्छे फंड चुनने से नहीं, बल्कि सही समय पर निर्णय लेने से आती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए गिरावट से घबराने की बजाय अपने फाइनेंशियल टारगेट पर फोकस रखें। समय पर फंड बेचना न सिर्फ आपकी पूंजी बचाता है, बल्कि मुनाफे को भी दोगुना कर सकता है।

खबर संक्षेप

पुलिस ने वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस ने आप्रेशन ट्रैकडाउन के तहत कार्रवाई करते हुए हत्या के प्रयास व जान से मारने की धमकी देने के एक वांछित आरोपी को डबवाली क्षेत्र से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। देसूजोधा पुलिस चौकी प्रभारी जगपाल सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान अंग्रेज के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि मोहन सिंह निवासी देसूजोधा की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। शिकायत में बताया कि उसके भतीजे गुरलाल सिंह, पिता नायब सिंह व भाई मनजीत के साथ डबवाली से देसूजोधा आ रहा था। रास्ते में बिलासपुर ढाणी नहर पुल के पास आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की।

महिला को झांसा देकर चुराए गहने

सिरसा। शहर के मुख्य डाकघर के नजदीक एक महिला से तीन महिलाओं ने झांसा देकर उसकी अंगूठी एवं बालियां चोरी कर ली। पुलिस को दी शिकायत में शांति नगर निवासी महिला बिमला देवी ने बताया बीते दिवस दोपहर को वह डाकखाने के पास दवाई लेने के लिए आई थी। वहां उसे तीन महिलाएं मिली, जिनकी उम्र करीब 25 से 30 साल थी। वे उसे बातों में फंसाकर टाउन पार्क में ले गई। उसके बाद बाते करते-करते वह सालासर मंदिर के सामने होटल के पास चले गए। वहां पर उसकी कानों से बालियां, अंगूठी निकालकर उसके एक रूमाल में बांधकर उसे वापस दे दी।

लाला जगन्नाथ जैन स्कूल में मनाया बाल दिवस

सिरसा। लाला जगन्नाथ जैन पब्लिक स्कूल में बाल दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय प्रबंधन समीति के अध्यक्ष ललित जैन भी इस कार्यक्रम में विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम में छात्रों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक नृत्यों, समूह गायन तथा एकल प्रस्तुतियों के माध्यम से सबका मन मोह लिया। कुछ छात्रों ने बाल दिवस के महत्व पर सुंदर भाषण प्रस्तुत किए, जिनमें पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा बच्चों के प्रति प्रेम और भारतीय संस्कृति के मूल्यों का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाने वाले नृत्य और झलकियां थीं। छात्रों ने भारतीय संस्कृति की एकता, विविधता, सम्मान, प्रेम और परंपराओं के बारे में संदेश दिया।

विश्व डायबिटीज दिवस पर लगाया स्वास्थ्य कैंप

सिरसा। आमजन को शुगर के बढ़ते जोखिम से बचाने एवं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से विश्व डायबिटीज दिवस पर संजीवनी अस्पताल में मुफ्त स्वास्थ्य जांच कैंप लगाया गया, जिसमें शुगर रोग विशेषज्ञ व आंखों की जांच एवं न्यूरोलॉजिस्ट और आहार विशेषज्ञ ने परामर्श दिया। शिविर का उद्देश्य मधुमेह के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाना था इसमें लोगों को बेहतर स्वास्थ्य की सलाह दी गई मरीजों की निःशुल्क जांच व डाइट चार्ट बनाकर दिया गया। शुगर रोग विशेषज्ञों ने सुझाव दिए कि शुगर प्रबंधन के लिए जरूरी है कि समय पर नियमित जांच कराएं, स्वस्थ आहार लें, व्यायाम करे, तनाव कम करें तथा नियमित योग करें।

संगम स्कूल 7 दिवसीय योगा कैंप संपन्न

सिरसा। संगम स्कूल भरोखां में शनिवार को सात दिवसीय योगा कैंप का समापन हो गया। कैंप का संचालन योगाचार्या शुभनीत कौर द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे सप्ताह विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान तकनीकों का अभ्यास करवाकर योग के प्रति जागरूकता और रुचि बढ़ाई। योगाचार्या शुभनीत कौर ने विद्यार्थियों को प्राणायाम, शीतली प्राणायाम, सुखासन, पद्मासन, वज्रासन,, भ्रामरी प्राणायाम, सूर्य नमस्कार सहित अनेक महत्वपूर्ण योगासन सरल तरीकों से करवाए। उन्होंने प्रत्येक आसन के लाभों और उसके सही तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जिससे बच्चों में योग सीखने की उत्सुकता बढ़ गई।

महाशक्ति ट्रस्ट ने नागपुर में 'एक संवाद-नशे के खिलाफ' कार्यक्रम किया आयोजित

नशामुक्त पीढ़ी निर्माण के लिए आगे आएं युवा : भवानी सिंह

ट्रस्ट की नशामुक्ति मुहिम फतेहाबाद से शुरू, गांव-गांव चल रहा जागरुकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गांव नागपुर स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 'एक संवाद-नशे के खिलाफ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर महाशक्ति चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह ने भाग लिया। कॉलेज की छात्राओं ने तिलक लगाकर और प्रिंसीपल व स्टाफ सदस्यों ने बुके भेंट कर भवानी सिंह का स्वागत किया।

फतेहाबाद। महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह को सम्मानित करते स्कूल स्टाफ सदस्य।

इस अवसर पर मुख्यअतिथि ने विद्यार्थियों को नशे से होने वाले नुकसानों के बारे में विस्तार से बताया और स्वयं नशे से दूर रहने और समाज और परिवार को नशामुक्त करने की शपथ दिलाई। कॉलेज के शिक्षकों ने गीतों के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों बारे बताया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और विद्यालय स्टाफ से नशा मुक्त समाज की दिशा में खुलकर संवाद किया। उन्हें समझाया कि नशा न केवल व्यक्ति का बल्कि पूरे परिवार और देश का भविष्य नष्ट कर देता है। बच्चों ने पूरी उत्सुकता और जागरूकता के साथ नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया, जो अत्यंत प्रेरणादायक रहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भवानी सिंह ने कहा कि महाशक्ति चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रदेश को नशामुक्त करने की मुहिम को फतेहाबाद जिले से शुरू किया गया है। गांवों में जाकर ट्रस्ट की टीमें युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक कर रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। इसके साथ-साथ ट्रस्ट ने स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों के साथ संवाद कर उन्हें जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर आज का युवा जागरूक होकर नशे के खिलाफ आवाज बुलंद करें तो आने वाले समय में नशे जैसी बुराई हमारे समाज से पूरी तरह दूर हो सकती है। उन्होंने कहा कि बदलते भारत की आशा इन्हीं युवाओं के कंधों पर है। उन्होंने विद्यार्थियों से आहवान किया कि हम सब मिलकर एक सुरक्षित, स्वस्थ और नशा मुक्त पीढ़ी का निर्माण करें। अंत में स्कूल स्टाफ द्वारा मुख्यअतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

युवा नशे से दूर रहकर खेलों में भाग लें: भरत बैनीवाल

चोपटा। गांव कुतियाना में चोपटा पत्रकार संघ द्वारा एमपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता और पत्रकार मिलन समारोह का आयोजन किया शनिवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक भरत सिंह बैनीवाल द्वारा रिबन काटकर किया। विधायक भरत सिंह बैनीवाल ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों में भाग लेना चाहिए। खेलों में हार जीत मायने नहीं रखती। क्रिकेट के मैदान में जब दो टीमें खेलती है तो टीमों में हार जीत होती रहती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा और राजस्थान के भाईचारे को लेकर आयोजित खेल प्रतियोगिता से आपसी संबंध मजबूत होंगे। इस प्रकार के आयोजन समाज में एक अच्छा संदेश देते हैं। सरपंच यूनियन चौपटा ब्लॉक के प्रधान सरपंच प्रतिनिधि विनोद बांगड़वा, चोपटा पत्रकार संघ के प्रधान नरेश बैनीवाल, साहबराम माली, भगत सिंह आदि पत्रकारों द्वारा आए हुए अतिथियों व पत्रकारों का स्वागत किया गया। प्रतियोगिता में हरियाणा तथा राजस्थान के मीडिया क्षेत्र से जुड़े खिलाड़ियों की टीमें ने भाग लिया। पहला मैच चोपटा पत्रकार संघ व भादरा की टीम के बीच खेला गया, जिसमें भादरा की टीम विजयी रही।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत टोहाना गुलरवाला व रतिया में व्यापक कार्रवाई

फतेहाबाद। ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत फतेहाबाद पुलिस की नशा मुक्ति टीम एसआई सुंदर के नेतृत्व में टीम टोहाना पहुंची। टीम ने टोहाना शहर और गांव गुलरवाला में पूर्व चिन्हित नशा पीड़ितों से विस्तृत फीडबैक लेकर उनकी वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन किया। नशा मुक्ति टीम के अनुसार टोहाना में 15 पूर्व चिन्हित ड्रग पीड़ितों का फीडबैक लिया गया, जिनमें से 14 पीड़ित इंजेक्शन ड्रग्स का उपयोग करते पाए गए। इसके बाद टीम ने गांव गुलरवाला में जाकर 18 पूर्व चिन्हित पीड़ितों से बातचीत की। स्थिति का आकलन करते हुए टीम को यहां भी 5 नए ड्रग पीड़ित मिले, जो सभी टीका लगाने की लत में पाए गए। सभी पुराने और नव चिन्हित पीड़ितों को मौके पर ही विस्तृत काउंसलिंग दी गई तथा नशा छोडने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए आयुर्वेदिक औषधियां उपलब्ध कराई गई, ताकि वे सुरक्षित और स्वस्थ रिकवरी की राह पर आगे बढ़ सकें।

उपायुक्त कार्यालय पर आक्रोश प्रदर्शन 26 को

तैयारियों को लेकर भट्टू में बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

किसान आंदोलन की पांचवीं वर्षगांठ पर किसान सभा, खेत मजदूर यूनियन और सीटू द्वारा 26 नवंबर को फतेहाबाद में डीसी कार्यालय पर आक्रोश प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन को लेकर तीनों संगठनों द्वारा जिलेभर में जोर-शोर से तैयारियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में देवीलाल पार्क, भट्टूकलां में तीनों संगठनों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता किसान सभा के तहसील प्रधान सुभाष भादू, खेत मजदूर यूनियन के नेता राजाराम, मिड डे मील यूनियन से भागी देवी ने की एवं संचालन खेत मजदूर नेता जगदीश शर्मा ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए किसान सभा जिला प्रधान विष्णु दत्त शर्मा व खेत मजदूर यूनियन के जिला सचिव रामकुमार बहबलपुरिया ने कहा कि बरसात से हुए जलभराव से हजारों मकानों को नुक्सान हुआ है, फसलें बर्बाद हो गई हैं जिससे मजदूरों को भी आर्थिक हानि हुई है। मकानों, फसलों व मजदूरों को हुए नुकसान का मुआवजा तुरंत दिया जाए। फसल बीमा कंपनियां क्लेम देने में कोताही कर रही है। खाद-बीज की किल्लत व मंडियों में एमएसपी रेट पर फसलों की खरीद न करके लूट का धंधा जारी है। इस पर रोक लगाई जाए। संकट के समय भूमिहीन ग्रामीण मजदूरों को मनरेगा के तहत काम दिया जाए और दिहाड़ी मजदूरी तुरंत दी जाए। परियोजना वर्करों और निर्माण मजदूरों, ग्रामीण सफाई कर्मचारियों, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की बजाय समय पर वेतन भुगतान भी नहीं किया जा रहा। संगठनों की मांग है कि तमाम मीड डे मील, आशा, आंगनवाड़ी, क्रेच वर्करों, ग्रामीण व नगर कर्मचारियों को पक्का किया जाए।

ये रहे मौजूद

मीटिंग में मास्टर हनुमान सिंह, रोहतास डूडी, मनीष सिवाच, रोहतास मेहूवाला, शर्मिला देवी, अरूण कुमार, अनिल कुमार, सुनील कुमार, बजरंग मील फौजी, कृष्ण कुमार खाबडा, कौर सिंह गोस्वामी सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल हुए।

ओलंपियाड प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक उच्च विद्यालय खैरपुर में जिला स्तरीय दो दिवसीय गणित ओलंपियाड प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जिले के गणित प्रवक्ताओं एवं अध्यापकों को बीजगणित, ज्यामिति, संख्या पद्धति तथा तार्किक क्षमता से संबंधित उच्च स्तरीय शिक्षण तकनीकों से अवगत करवाना रहा, ताकि वे स्कूलों में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप बेहतर रूप से तैयार कर सकें। मुख्य वक्ता जिला गणित विशेषज्ञ डॉ. प्रियदर्शन बैनीवाल ने कहा कि गणित ओलंपियाड की तैयारी करवाने के लिए अध्यापकों को आधुनिक तकनीकों में दक्ष बनाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों में गणित के प्रति सकारात्मक रूझान, तार्किक चिंतन और समस्या समाधान क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। गणित विशेषज्ञ नरेश नरूला के कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ओलंपियाड स्तर की प्रतियोगिताओं में बीजगणित, ज्यामिति, संख्या प्रणाली, तार्किक क्षमता, पैटर्न पहचान, डेटा इंटप्रिटेशन जैसे उच्च स्तरीय प्रश्नों का अभ्यास कराया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों से कुल 35 गणित प्रवक्ताओं नेभाग लिया। प्रशिक्षण में बीजगणित एवं ज्यामिति से जुड़े कठिन प्रश्नों को सरल तरीकों से हल करने की तकनीकें साझा की गई।

सिरसा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अध्यापकों को तकनीकां से अवगत करवाते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

चार्जिंग में लगी स्कूटी की बैटरी फटने से छह दुपहिया वाहन जले

सिरसा। शहर में शनिवार को एक इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक आग लग गई। आगजनी की इस घटना में पांच स्कूटी व एक मोटरसाइकिल जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि आगजनी से बिजली की वायरिंग भी जल गई। आरएसडी कॉलोनी निवासी सुरेश गोयल ने बताया कि उसकी गैलरी में 6 स्कूटी खड़ी थी। उसमें 2 स्कूटी चार्जिंग पर लगी थी और पास में एक बाइक खड़ा था। एक स्कूटी ज्यादा चार्जिंग होने की वजह से धमाके के साथ फट गई। इससे एक के बाद एक स्कूटी ने आग पकड़ ली। आग इतनी तेज थी कि पांच स्कूटी व एक बाइक पूरी तरह जल गए। घर के आंगन में जहां ये वाहन खड़े थे, वहां आग लगने से नीचे का फर्श फट गया, पर कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। वाहनों के जलने से काफी नुकसान हुआ है। सुरेश गोयल ने बताया कि जोर से तेज धमाके की आवाज सुनी थी। एक स्कूटी की बैटरी फटी थी।

रिफ्लेक्टर लगाओ अभियान चलाया

रतिया। युवा शक्ति क्लब रतिया द्वारा आगामी सर्दी कोहरे व धुंध के मौसम को देखते हुए दुर्घटनाओं से बचाव हेतु शनिवार सुबह शहर के संजय गांधी चौक पर वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाओ अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शहर थाना अध्यक्ष रणजीत सिंह पहुंचे।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत, सिरढ़ान, खंड भट्टूकलां में मौजूद 02 तालाबों की मछली पालन के लिए खुली बोली दिनांक 20-11-2025 दिन वीरवार को प्रातः 11 बजे राजीव गांधी सेवा केन्द्र में करवाई जाएगी। मछली पालन हेतु तालाब की बोली की सिक्योरिटी राशि मु0 20000/- (बीस हजार) रुपये है तथा बाकी शर्तें मौके पर सुनाई जाएगी।

ग्राम सचिव — ग्राम पंचायत सिरढ़ान — मो. 9802405885
सरपंच — ग्राम पंचायत सिरढ़ान — मो.9992809292

मिठड़ी स्कूल में खंड स्तरीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम का किया आयोजन

ओढां। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मिठड़ी में खंड स्तरीय प्रतिभा खोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे 6वीं से 8वीं स्तर पर डांस क्लासिक, डांस फॉक, थिएटर, म्यूजिक (क्लासिक और फ्रॉक) और 9वीं से 12वीं स्तर पर फ्रॉक हरियाणवी ग्रुप सॉन्ग, फ्रॉक हरियाणवी ग्रुप डांस, ग्रुप थिएटर व विजुअल आर्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमे ब्लॉक के विभिन्न स्कूलों नें हिस्सा लिया जिनमें 6वीं से 8वीं स्तर में शास्त्रीय नृत्य में प्रथम जीएमएस किंगरा, डांस फ्रॉक में प्रथम जीएसएसएस जलालआना, द्वितीय जीएमएस असीर, थिएटर प्रथम में जीएमएस टप्पी, शास्त्रीय संगीत में प्रथम जीएसएसएस देसू मलकाना, द्वितीय जीएसएसएस केवल, म्यूजिक फ्रॉक में प्रथम जीएमएसएसएस कालांवाली, द्वितीय जीएसएसएस जलालआना, तृतीय जीएमएस किंगरा रहे। 9वीं से 12वीं स्तर में फ्रॉक हरियाणवी ग्रुप संगीत में प्रथम जीएसएसएस नोरंग, द्वितीय जीएसएसएस मिठड़ी, फ्रॉक हरियाणवी ग्रुप डांस में प्रथम जीएसएसएस जलालआना, द्वितीय जीएसएस एस देसु मलकाना व तृतीय स्थान पर जीएसएसएस मिठड़ी रहे।

हड़ताल को अवकाश अवधि घोषित करने पर सरकार का जताया आभार

सिरसा। क्लेरिकल एसोसिएशन के जिला प्रधान साहिल बागड़ी ने हड़ताल अवधि को अवकाश अवधि मानने के आदेश जारी करने के लिए प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त किया है। इसके साथ ही उन्होंने इसके लिए क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसाइटी, प्रदेश के सभी विभागों बोर्ड निगमों व विश्वविद्यालयों के लिपिकीय संवर्ग भारतीय मजदूर संघ का भी आभार प्रकट किया है। उन्होंने बताया कि कि लंबे समय से क्लेरीकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी हरियाणा के नेतृत्व में हरियाणा के सभी विभागों, बोर्ड निगमों व विश्वविद्यालयों के संपूर्ण लिपिकीय संवर्ग अपने सम्मानजनक वेतनमान के लिए संघर्षरत हैं। इसके लिए समस्त लिपिकीय संवर्ग ने पिछले वर्ष बीती 12 से 16 अगस्त 2024 तक हड़ताल की थी। बीती 16 अगस्त 2024 को चुनावों की घोषणा होने पर इस हड़ताल को स्थगित किया गया था। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सरकार जल्द ही लिपिकीय संवर्ग के वर्षों से लंबित वेतनमान की विसंगतियों को दूर करके प्रदेश के लगभग 30 हजार लिपिकीय संवर्ग को उनका हक सौगात के रूप में देने का कार्य करेगी।

जनजातीय गौरव दिवस पर सेमिनार

सिरसा। डाइट, डिंग में जनजातीय गौरव दिवस एवं भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर शनिवार को एक सेमिनार हुआ। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रथम सत्र में राजकीय महिला महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के प्रो. सत्यपॉल बिश्नोई ने जनजातीय गौरव विषय पर अपना विस्तारपूर्वक व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए भारत की जनजातीय विरासत, योगदान, संस्कृति, संघर्षों तथा जनजातीय गौरव दिवस की जानकारी दी। वहीं, दूसरे सत्र में राजकीय महिला महाविद्यालय के इतिहास विभाग के एसोसिएट प्रो. एवं अध्यक्ष डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कारडोली सत्याग्रह विषय पर अपनी प्रेरक एवं तथ्यपूर्ण प्रस्तुति देते हुए सरदार पटेल के नेतृत्व, संगठन क्षमता तथा राष्ट्र निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान को प्रभावी ढंग से उजागर किया। दोनों व्याख्यान प्रतिभागियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रहे। डाइट प्रभारी सुरेंद्र सिंह नूनिया ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों व शिक्षकों को प्रेरित करने का काम करते हैं। डॉ. दलीप गोदारा ने कहा कि इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों से आए अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दिनेश ने ताइक्वांडो में जीता कांस्य पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ओढां

पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय ओढ़ा के छात्र दिनेश ने अपनी अदम्य ऊर्जा, अनुशासन और उत्कृष्ट खेल-प्रदर्शन के दम पर स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ताइक्वांडो स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में दिनेश ने शानदार मुकाबले दिखाते हुए मंच पर अपना परचम लहराया। कांस्य पदक जीत कर जब दिनेश विद्यालय पहुंचे तो पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल था। प्रार्थना सभा में प्राचार्य ललित कालड़ा, सभी शिक्षक और विद्यार्थियों ने उनका जोरदार तालियों और फूलमालाओं से स्वागत किया। छात्र दिनेश को विद्यालय द्वारा खेल गौरव सम्मान अवॉर्ड देकर और उसके पिता सुभाष चंद्र को शॉल देकर सम्मानित किया गया।

नशा बेचना छोड़ें या शहर छोड़ दें तस्कर: एएसपी

सिरसा। रानियां के गांव बालासर में आयोजित सांसद खेल महोत्सव के दूसरे दिन एएसपी फैसल खान ने नशा तस्करों को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि नशा तस्कर या तो जिले में नशा बेचना छोड़ दें या फिर जिला छोडक़र चले जाएं। इस अवसर पर रानियां थाना प्रभारी गुरनमिंद्र सिंह भी मौजूद रहे। सांसद खेल महोत्सव के तहत गांव बालासर में कबड्डी, वॉलीबॉल और खो-खो के मुकाबले आयोजित किए गए। इन खेलों के फाइनल मुकाबले खेले गए, जिसमें गांव के गणमान्य व्यक्ति, सरपंच धर्मपाल सिंह, बुजुर्ग और युवा बड़ी संख्या में मौजूद थे। इस अवसर पर एएसपी फैसल खान ने नशा तस्करों को सीधे तौर पर चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में नशा तस्करों के दिन अब गिने-चुने हैं। उन्हें या तो अपने अवैध धंधे को छोडऩा होगा या फिर जिले से बाहर जाना होगा। एएसपी ने सांसद खेल महोत्सव को सरकार की एक अच्छी पहल बताया। उन्होंने कहा कि खेल कार्यक्रमों को प्रोत्साहन मिलना चाहिए, क्योंकि इनके कई फायदे हैं। खेल से फिटनेस और फिट इंडिया अभियान को बढ़ावा मिलता है।

पुलिस अधीक्षक की जिलावासियों से सतर्क रहने की अपील

ई-सिम के नाम पर बढ़ते साइबर फ्रॉड से रहें सावधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

प्रदेश में हाल ही में ई-सिम एक्टिवेशन व अपडेट के नाम पर साइबर ठगी के कई मामले सामने आने के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने जिलावासियों को सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी मोबाइल कंपनियों या टेलीकॉम कस्टमर केयर प्रतिनिधि बनकर कॉल, मैसेज और ई-मेल के जरिए लोगों से बैंकिंग विवरण, ओटीपी और निजी जानकारी हासिल कर रहे हैं तथा उनके खातों से धनराशि निकाल रहे हैं। ठग 'आपका सिम 24 घंटे में बंद हो जाएगा' या 'आपका ई-सिम अपडेट होना है' जैसे भ्रामक संदेश भेजते हैं, नकली कस्टमर केयर बनकर ओटीपी मांगते हैं, और लिंक या क्यूआर कोड भेजकर ई-सिम अपडेट का झांसा देते हैं। ओटीपी मिलते ही वे पीड़ित का नंबर अपने डिवाइस पर ई-सिम में पोर्ट कर लेते हैं, जिससे बैंकिंग ओटीपी सीधे उनके फोन पर पहुंचने लगते हैं और वे खातों से रकम उड़ा लेते हैं।

एसपी सिद्धांत जैन।

पुलिस ने स्पष्ट रूप से कहा है कि नागरिक किसी भी व्यक्ति को ओटीपी न बताएं, क्योंकि टेलीकॉम कंपनियां कभी भी फोन पर ओटीपी नहीं मांगतीं। ई-सिमन अपडेट हमेशा अधिकृत स्टोर या आधिकारिक मोबाइल ऐप के माध्यम से ही करें। किसी अनजान लिंक, क्यूआर कोड या फाइल पर क्लिक न करें। सिम बंद होगा, ई-सिम वेरिफिकेशन जरूरी है या कस्टमर केयर से बोल रहा हूं, जैसी कोई भी संदिग्ध कॉल/मैसेज मिलते ही तुरंत सतर्क हो जाएं। बैंकिंग ऐप, वॉलेट या यूपीआई संबंधी कोई भी जानकारी किसी के साथ साझा न करें, और सोशल मीडिया पर उपलब्ध संदिग्ध कस्टमर केयर नंबरों पर कतई कॉल न करें, क्योंकि इनमें से अधिकांश फर्जी होते हैं। यदि कोई व्यक्ति ई-सिम या ओटीपी फ्रॉड का शिकार हो जाता है, तो उसे तुरंत हेल्पलाइन 1930 पर कॉल कर रिपोर्ट करनी चाहिए, साथ ही पोर्टल पर शिकायत दर्ज करनी चाहिए।

हरिभूमि बम्पर इनामी योजना-2025 के विजेताओं के नाम

ग्यारहवां पुरस्कार (इलैक्ट्रिक कैटल-100 नग)

❖ श्री अजय कुमार सुपुत्र श्री सुंदर लाल, 1910/30, न्यू चिन्योट कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री प्रशांत सुपुत्र प्रमोद, नेहरू कॉलोनी, रोहतक ❖ श्री मदन गोपाल सचदेवा सुपुत्र मुलखराज सचदेवा, म. नं. 309/16, प्रताप मोहल्ला, रोहतक ❖ जगबीर सुपुत्र श्री देशराज, गांव मोहम्मदपुर, दुलोठ जाट, अटेली, महेन्द्रगढ़ ❖ रोहित बंसल सुपुत्र श्री दीपक बंसल, वार्ड नं. 6, दीवान गेट, झज्जर ❖ जय नारायण सुपुत्र श्री दुर्गा प्रसाद, साल्हावास, झज्जर ❖ दर्शना देवी धर्मपत्नी धर्मबीर सिंह, गांव दुजाना, बेरी, झज्जर ❖ रतन लाल सुपुत्र श्री समसूराम नांगल चौधरी, महेन्द्रगढ़ ❖ श्री रामचंद्र सुपुत्र रामभगत, अमृत कॉलोनी, वार्ड 22, रोहतक ❖ श्री भगत सिंह सुपुत्र श्री बनवारी लाल, नजदीक रेलवे स्टेशन, वार्ड नं. 2, (आटा चक्की) कलानौर, रोहतक ❖ दिव्या सुपुत्री श्री परवीन, जहाजगढ, बेरी, झज्जर ❖ सुरेश कुमार सुपुत्र श्री बलराम, साल्हावास, झज्जर ❖ निहारिका शर्मा पत्नी दीपक शर्मा निवासी 15/40, 5 बिस्वा, जटवाड़ा मोहल्ला, बहादुरगढ़ ❖ महेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री भागचन्द, दुजाना, बेरी, झज्जर ❖ महाबीर सिंह सुपुत्र श्री जागे राम, कबलान, झज्जर ❖ जिया पुत्री श्री अमित निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ शर्मिला पत्नी श्री विरेन्द्र निवासी ओल्ड बस स्टैंड, भिवानी ❖ दिलबाग सिंह सुपुत्र श्री जगत सिंह, निवादा, साल्हावास, झज्जर ❖ राधे श्याम सुपुत्र स्व. श्री हजारी लाल, गांव व डा. नन्दरामपुर बांस, रेवाड़ी ❖ मदन लाल वर्मा सुपुत्र श्री जगदीश प्रसाद म. नं.4, गली नं. 3/1, सरस्वती विहार, कालका रोड, रेवाड़ी ❖ प्रिन्स सुपुत्र श्री अमन, मारोत, मातनहेल, झज्जर ❖ श्री रणवीर सिंह सुपुत्र श्री राम, गांव व डा. तुंबाहेड़ी, झज्जर ❖ मामन सिंह सुपुत्र श्री चन्द्रभान, गांव पलड़ा, बेरी, झज्जर ❖ दयानन्द सुपुत्र श्री मंगलराम, गांव लूखी, कोसली, रेवाड़ी ❖ धर्मवीर सिंह सुपुत्र श्री सुरजभान, नारनौल, महेन्द्रगढ़ ❖ अमन सोलंकी पुत्र श्री श्रीपाल सोलंकी, निवासी मकान नं0 2459, सेक्टर 2, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ मधुबाला पत्नी श्री जय भगवान निवासी मकान नं.840/13, गली नं.10 भगत सिंह कालोनी, बहादुरगढ़ ❖ मनोज कुमार पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह निवासी गांव डाबौदा कलां, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ तेजबीर राठी पुत्र श्री जागेराम निवासी गांव व डाकखाना सांखौल, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ विनोद कुमार पुत्र श्री मनोहर लाल गांव व डाकखाना सांवड़, जिला चरखी दादरी ❖ रमन सुपुत्र श्री रिंकू, दगड़ौली, बाढड़ा, चरखी दादरी ❖ सुनीता पत्नी मुकेश निवासी रामनगर, परनाला रोड़, गली नं.4, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ सुरेन्द्र कुमार सैन पुत्र श्री सन्नू निवासी गुजरों की ढाणी, पुराना बस स्टैंड, भिवानी ❖ श्री महेंद्र सिंह सुपुत्र खेड़ी सिंह, गांव व डा. भालौठ, रोहतक ❖ मयंक पुत्र श्री जतिन कुमार निवासी गांव हनुमान ढाणी, जिला भिवानी ❖ सुलेखा पत्नी श्री हरिओम निवासी गांव रोहद, बहादुरगढ, जिला झज्जर ❖ श्याम करण पुत्र श्री सोनी लाल निवासी छिकारा कालोनी, गली नं.5, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ दयाराम पुत्र श्री कमलेश निवासी आर्य नगर, गली नं.2, बहादुरगढ़, जिला झज्जर ❖ देवेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री राजिन्द्र सिंह, गांव व डा. शीशवाला, दादरी ❖ समीर पुत्र श्री प्रदीप निवासी ओल्ड बस स्टैंड, गुजरों की ढाणी, भिवानी ❖ उमेश पुत्र श्री हव सिंह निवासी 12/410, सैनी पुरा, बहादुरगढ, जिला झज्जर ❖ हवा सिंह पुत्र श्री लखीराम निवासी गांव व डाकखाना गोयला कलां, बदली, झज्जर ❖ आशीष वर्मा पुत्र श्री बलवान सिंह निवासी सुहासरा, लोहारू, जिला भिवानी ❖ श्री राकेश कुमार सुपुत्र ब्रह्मजीत सिंह, गांव व डा. बोहर, रोहतक ❖ परवीन कुमार सुपुत्र श्री दिलबाग सिंह गांव व डा. लोहारहेड़ी, बहादुरगढ, झज्जर ❖ श्री रवि सुपुत्र हरि सिंह, 822, दरमान मौहल्ला, रोहतक ❖ हर्ष मित्तल पुत्र श्री रविन्द्र कुमार निवासी मकान नं 5, नजदीक लिबर्टी होम्स, शिव नगर कालोनी, भिवानी ❖ श्री अंकुर सुपुत्र श्री रामफल, खरक जाटान, बैंसी, तह. महन, रोहतक ❖ मोहिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री कन्हैया लाल, गांव लोहारहेड़ी, बहादुरगढ, झज्जर ❖ वीर भान पुत्र श्री काली चरण निवासी मकान 802/19, आर्य नगर, रोहतक

शेष विजेताओं की सूची अगले अंक में देखें

आवश्यक सूचना :

1. सभी पुरस्कारों का वितरण 1 दिसम्बर 2025 से किया जाएगा।
2. पुरस्कार संख्या 1 से 3 तक के विजेताओं को हरिभूमि मुख्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, रोहतक से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
3. पुरस्कार संख्या 4 से 13 उपहार के विजेताओं को संबंधित हरिभूमि कार्यालय अभिकर्ता से पुरस्कार प्राप्त हो सकेंगे।
4. यदि किसी भी पुरस्कार पर सरकार के नियमानुसार टी.डी.एस. लागू होगा तो विजेता को लागू टी.डी.एस. की राशि हरिभूमि कार्यालय में एडवांस में जमा करनी होगी।
5. पुरस्कार प्राप्त करने के लिए आपको अपने साथ पुरस्कार विजेता की फोटो आईडी की फोटो प्रति जमा करनी होगी। मूल प्रति को मिलान हेतु साथ में लाना अनिवार्य है।
6. अधिक जानकारी के लिए आप निम्न नम्बरों पर हरिभूमि प्रसार विभाग में प्रात: 11.00 से सायं 4.00 बजे तक सम्पर्क कर सकते है :- फोन : 9253681019-20

- कार्यालय पता -

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9253681005, 7988727916

खबर संक्षेप

मुनीम पर हमला कर मोबाइल व नकदी लूटी

फतेहाबाद। जिले के कस्बा जाखल में एक मुनीम के साथ बाईक सवार युवकों द्वारा हमला कर नकदी व मोबाइल छीनने का मामला सामने आया है। हमले के बाद मुनीम ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई और बाद में पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और केस दर्ज कर लूटेरे युवकों की तलाश शुरू कर दी है। शिकायत में जाखल निवासी दर्शन सिंह ने बताया कि वह रात करीब 8 बजे जाखल से अपने गांव भुरथली जा रहा था।

टीचर ट्रेनिंग ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ संपन्न

सिरसा। नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन महाविद्यालय में दो दिवसीय टीचर ट्रेनिंग ओरिएंटेशन कार्यक्रम का शनिवार को संपन्न हो गया। कॉलेज प्राचार्या डॉ. पूनम मिगलानी ने विद्यार्थियों को अपना इंटरनशिप कार्यक्रम पूर्ण ईमानदारी व समर्पण भाव के साथ करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत टीचर ट्रेनिंग प्रैकिटस कमेटी की प्रभारी मीनू वर्मा ने इंटरनशिप का परिचय देते हुए विद्यार्थियों को सामान्य दिशा-निर्देशन प्रदान किए। डॉ. संजय चौधरी ने इसके महत्वपूर्ण पक्षों की जानकारी दी।

झुग्गी-झोपड़ी में रह रहे बच्चों को कपड़े वितरित

सिरसा। यूथ वीरांगना ने बाल दिवस के उपलक्ष्य में झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों में आवश्यक वस्तुएं वितरित कीं। इस मौके पर मनदीप, रीना, सुजाता और भारती ने एकजुट चौधरी देवीलाल पार्क में बच्चों को सर्दियों के कपड़े, खाने-पीने का सामान और खिलौने वितरित किए। इन वस्तुओं के वितरण का उद्देश्य बच्चों को ठंड से बचाना और उनके चेहरे पर मुस्कान लाना था। संगठन की सदस्य सुजाता ने बच्चों को बाल दिवस के महत्व के बारे में बताया।

फोरेंसिक जांच से कसी जा रही बदमाशों पर लगाम

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस ने अपराध नियंत्रण और फोरेंसिक जांच के क्षेत्र में एक बार फिर उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की है। जिले की क्राइम यूनिट की फिंगरप्रिंट शाखा ने हत्या, बलात्कार और चोरी जैसी संगीन घटनाओं में जुटाए गए फोरेंसिक साक्ष्यों के बल पर कई मामलों में अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों ने हाल ही में दो गंभीर मामलों में अपराधियों की पहचान कर अदालत में मजबूत सबूत पेश किए।

बाइक व चोरीशुदा गहनों सहित आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। गांव बुर्ज में एक घर में चोरी की वारदात को अंजाम देने के मामले में सीआईए रतिया पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी गुरदीप सिंह पुत्र अमरीक सिंह निवासी शेखुपुरा सोतर को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है। आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल तथा चोरीशुदा सोने और चांदी के आभूषण भी बरामद किए गए हैं। सीआईए रतिया प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक रिछपाल सिंह ने बताया कि यह कार्रवाई शिकायतकर्ता गोपाल चन्द पुत्र कर्म चन्द निवासी बुर्ज की शिकायत पर दर्ज मामले में की गई।

बीराबदी में मारपीट करने का आरोपी काबू

फतेहाबाद। गांव बीराबदी के खेत में काम कर रहे लोगों पर फायरिंग व हमला करने के मामले में रतिया पुलिस ने वांछित चल रहे आरोपी आकाशदीप उर्फ शैरी पुत्र जसबीर सिंह निवासी सरदूलगढ़ हाल निवासी चैनेवाला, जिला मानसा को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में इससे पहले 9 आरोपी पुलिस द्वारा पकड़े जा चुके हैं। थाना सदर रतिया प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह ने बताया कि सीआईए रतिया प्रभारी रिछपाल सिंह के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर योजनाबद्ध कार्रवाई की गई। आरोपी वारदात के बाद लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया।

18 मुकाबलों में अव्वल रही कॉलेज की टीमें

युवा उत्सव में एमएम कॉलेज ने जीती ओवरऑल चैम्पियन ट्राफी

चेयरमैन आत्मप्रकाश बत्रा ने विजेताओं विद्यार्थियों की प्रतिभा को सराहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद।

फतेहाबाद। सीडीएलयू यूथ फेस्टीवल में ओवरआल चैम्पियन रही एमएम कॉलेज फतेहाबाद की टीम को सम्मानित करते अतिथिगण। *फोटो : हरिभूमि*

एमएम कॉलेज फतेहाबाद ने चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा में आयोजित 12वें त्रिवेणी युवा महोत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओवरआल चैंपियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा जमाते हुए जिला का नाम रोशन किया है। एमएम कॉलेज ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए 32 मुकाबलों में अपना दबदबा स्थापित किया। कॉलेज की टीमों ने जहां 18 मुकाबलों में पहला स्थान हासिल किया वहीं 9 मुकाबलों में द्वितीय स्थान पर रही। कॉलेज को थिएटर, संगीत, साहित्य और झांकी की चार रनिंग ट्रॉफियां भी प्राप्त हुई। इस शानदार उपलब्धि से कॉलेज में खुशी की लहर दौड़ गई।

शानदार प्रदर्शन

कॉलेज मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन आत्मप्रकाश बत्रा, प्रधान राजीव बत्रा, उपप्रधान अशोक तनेजा, सचिव विनोद मेहता, कोषाध्यक्ष कैलाश बत्रा ने इस शानदार उपलब्धि पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास, टीम इंचार्जों व विद्यार्थियों को बधाई दी है। कॉलेज प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास ने बताया कि सीडीएलयू में आयोजित यूथ फेस्टीवल में कॉलेज की टीमों ने थियेटर इंचार्ज नितिन सचदेवा, संगीत विभाग से इंचार्ज डॉ. सीमा शर्मा, डॉ. अनिल शर्मा, वंशज रहेजा, सावन, साहित्य इंचार्ज डॉ. भारती शर्मा, ललित कला इंचार्ज डॉ. मीनाक्षी कोहली के नेतृत्व में भाग लिया। इसके अलावा स्टाफ सदस्यों में डॉ. रजनी, प्रो. बलवान सिंह, प्रो. ममता स्वामी, प्रो. सुशील, प्रो. वारिस, प्रो. प्रीत कौर, प्रो. अंजू प्रकाश, प्रो. श्रुति मोंगा का भी विशेष सहयोग रहा। एमएम कॉलेज के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और रचनात्मकता के आधार पर सभी को पीछे छोड़ते हुए खिताब अपने नाम किया।

इन्होंने जमाई अपनी धाक

उन्होंने बताया कि संगीत एवं वादन प्रतियोगिता में कव्वाली, हरियाणवीं समूह गीत, हरियाणवीं लोक वाद्य यंत्र सोलो, जनरल लोक गीत, इंडियन ऑरकेस्ट्रा, वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल सोलो, इंडियन ग्रुरप सॉन्ग, लाइट वोकल भजन, शास्त्री वाद्य यंत्र, शास्त्रीय वोकल सोलो में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा हरियाणवीं लोक गीत सोलो, हरियारवीं ऑरकेस्ट्रा, वेस्टर्न ग्रुरप सॉन्ग में द्वितीय तथा शास्त्रीय ताल वाद्य में तृतीय स्थान पाया। साहित्यिक प्रतियोगिताओं में कॉलेज ने हिन्दी वाद-विवाद, अंग्रेजी एलोक्यूशन और काव्य गोष्ठी में पहला तथा अंग्रेजी वाद-विवाद में दूसरा स्थान हासिल किया। ललित कला प्रतियोगिताओं में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन में कॉलेज की टीम प्रथम रही वहीं क्ले मॉडलिंग, रंगोली व मेहंदी में द्वितीय तथा ऑन दी स्पॉट फोटोग्राफी में तृतीय स्थान हासिल किया। डांस प्रतियोगिताओं में हरियाणवीं सोलो डांस महिला में कॉलेज ने दूसरा तथा हरियाणवीं सोलो डांस पुरूप में तीसरा स्थान हासिल किया। नाट्य वर्ग में कॉलेज की टीम ने स्किट, मिमिक्री, संस्कृत नाटक व एकांक नाट में प्रथम व माइम में द्वितीय स्थान हासिल किया। अर्जुन शेरिंग को श्रेष्ठ अभिनेता व अर्जुन की बहन को श्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया। झांकी प्रोसेशन के अलावा कॉलेज ने थियेटर, संगीत और साहित्य में रनिंग ट्रॉफियों पर भी एमएम कॉलेज ने कब्जा कर अपनी धाक जमाई।

पॉयनियर स्कूल में खेल प्रतियोगिता में बच्चे छाए

फतेहाबाद। पॉयनियर स्कूल में विजेता बच्चों को सम्मानित करते स्कूल प्रबंधक।

- मैनेजिंग डायरेक्टर विजय निर्मोही ने बच्चों को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

पॉयनियर कान्वेंट स्कूल फमें दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल प्रबंधक विजय निर्मोही ने फ्लैग होस्टिंग करके तथा गीतिका महता ने मशाल प्रज्वलित करके किया।

प्रथम दिवस प्री नर्सरी से चतुर्थ कक्षा तक तथा दूसरे दिन पांचवी कक्षा से नौवीं कक्षा तक के बच्चों ने विभिन्न खेलों जैसे हैड बैलून बैलेंस रेस, थ्रेड नीडल रेस, फाइंड द कॉइन रेस, लेमन रेस, बैग पैक रेस,हरडल रेस व रैबिट रेस, टनल रेस, टग बटन रेस, 100 मीटर रेस, बनी रेस, रिंग बाल ड्रैगिंग, बेक रेस, थ्री लैग रेस, मंकी रेस आदि में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। अभिभावकों के लिए भी विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया। सभी का जोश देखते ही बनता था। विजेता खिलाडिय़ों को गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल और ब्रांज मेडल से नवाजा गया। इस अवसर पर विशेष तौर पर खेल के मैदान को बहुत ही बढिय़ा तरीके से सजाया गया था। खेलों के साथ-साथ सभी के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने बड़े ही मनमोहक परिधानों में गिद्दा, अंब्रेला डांस व अन्य डांस का प्रदर्शन किया। मैनेजिंग डायरेक्टर विजय निर्मोही ने कहा कि खेल विद्यार्थी जीवन का शिक्षा के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण अंग है जिसमें हर बच्चे को भाग लेना चाहिए। खेल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर प्राचार्या गीतिका महता, उप प्राचार्या मैत्री निर्मोही एवं तन्नू भाटिया, डायरेक्टर निशांत निर्मोही ने विजेता बच्चों व उनके अभिभावकों को बधाई दी व इसी प्रकार खेल भावना के साथ भविष्य में भी खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

सब इंस्पेक्टर रमेश को मिले शहीद का दर्जा : सतबीर

- हिसार में हुड़दंग करने से रोकने पर पुलिस अधिकारी की युवकों ने हमला कर ले ली थी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

हिसार में हुड़दंग करने से रोकने पर शहीद हुए हरियाणा पुलिस के सब इंस्पेक्टर रमेश कुमार के निधन पर हरियाणा पुलिस एसोसिएशन ने शोक जताया है। हरियाणा पुलिस आईआरबी के प्रतिनिधि सतबीर गुज्जर, फतेहाबाद ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि सब इंस्पैक्टर रमेश कुमार को शहीद का दर्जा दिया जाए वहीं उनके परिवार को एक करोड़ का मुआवजा दिया जाए।

सतबीर गुज्जर।

सतबीर गुज्जर ने मृतक सब इंस्पेक्टर रमेश कुमार के निवास स्थान श्यामलाल ढाणी हिसार में जाकर शोक जताया और कहा कि रमेश कुमार एक ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ व नेक दिल इंसान थे, जिनका जाना हरियाणा पुलिस विभाग के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। उन्होंने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए सरकार से परिवार को जल्द न्याय दिलवाने की भी मांग की है।

क्रेसंट स्कूल के विद्यार्थियों का परंपरा से साक्षात्कार, माई ढाणी का किया भ्रमण

- बाल दिवस के अवसर पर शैक्षणिक भ्रमण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

क्रेसंट स्कूल के किंडरगार्टन विद्यार्थियों के लिए बाल दिवस के अवसर पर माई ढाणी, हिसार का एक यादगार शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण आयोजित किया गया, जिसने नन्हें मुन्ने विद्यार्थियों के चेहरे पर अनगिनत मुस्कानें बिखेर दी। जैसे ही बच्चे माई ढाणी पहुँचे, पारंपरिक राजस्थानी वातावरण, रंगीन सजावट, लोक वेशभूषा एवं ढोल-नगाड़ों की थाप ने उनका उत्साह दोगुना कर दिया। विद्यार्थियों ने लोक नृत्य, पारंपरिक खेल, साहसिक गतिविधियां, ऊंट व घोड़े की सवारी, बैलगाड़ी की सैर और अनलिमिटेड गेम्स का दिल खोलकर आनंद लिया। प्रत्येक गतिविधि ने उन्हें भारतीय सांस्कृतिक धरोहर से सरोबार कर दिया। स्वादिष्ट राजस्थानी भोजन का आनंद उठाया।

फतेहाबाद। क्रेसंट स्कूल के विद्यार्थी माई ढाणी की यात्रा करते हुए।

भव्य ललित आईआईटी मंडी में गोल्ड मेडल से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

रतिया के युवा छात्रा भव्य ललित पुत्र सचिन ललित ने आईआईटी मंडी में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भव्य ने पूरे इंस्टिट्यूट के सभी पीजी प्रोग्रामों में पहला स्थान प्राप्त कर इंस्टिट्यूट गोल्ड मेडल अपने नाम किया। पूरे आईआईटी में टॉप करना उनकी मेहनत और प्रतिभा का प्रमाण है।

इस वर्ष आईआईटी मंडी का 13वाँ कॉन्वोकेशन देश की कई प्रमुख हस्तियों की मौजूदगी में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों ने रतिया के रहने वाले भव्य ललित को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

भव्य को इससे पहले भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन किया है और प्लेनक्स 2025 में स्पेन के बरसिलोना में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

भव्य को उनकी पढ़ाई और लगातार अच्छे प्रदर्शन के आधार पर सिंगापुर में पूरी तरह फंडेड पीएचडी के लिए चुना गया है, जहाँ वे आगे उच्च स्तर का शोध करेंगे।

अरनियांवाली के स्कूल में बच्चों का समग्र विकास पर हुआ सेमिनार

- राज्य नोडल अधिकारी अनिल मलिक ने जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा स्वामी विवेकानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अरनियांवाली गांव में शनिवार को अभिभावकों के लिए प्रभावी बाल पालन पद्धतियां भावनात्मक समझ और बच्चों का समग्र विकास विषय पर आयोजित सेमिनार आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता मंडलीय बाल कल्याण अधिकारी एवं राज्य नोडल अधिकारी अनिल मलिक ने कहा कि ज़माना कृत्रिम बुद्धिमता की ओर अग्रसर है और भावनात्मक बुद्धिमता असरकारक है, इसलिए कृत्रिम बुद्धिमता की ताक़त तर्क और गति में निहित है और भावनात्मक बुद्धिमता की ताक़त जुड़ाव और समझ से पनपती है। वर्तमान परिस्थितियों और भविष्य के मद्देनज़र माता-पिता को समझना चाहिए कि भावनात्मक संबंध प्यार, समर्थन और समझ पर आधारित दो तरफा होता है। माता-पिता के तनाव, आपसी झगड़े, नशे या अन्य व्यसन की परवर्ती और प्रतिकूल अनुभवों का संतान के भावनात्मक मानसिक और व्यवहारिक विकास पर गहरा प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ 18 को होगा कार्यक्रम

फतेहाबाद। जिला प्रशासन फतेहाबाद द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ 18 नवम्बर को शपथ व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अमृतसर से लाइव संबोधन सुनाया जाएगा। डीपीआरसी हॉल में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी शिरकत करेंगे। जिला स्तर पर स्कूलों, कॉलेजों व अन्य संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम, रैली, नुक्कड़ नाटक और शपथ ग्रहण जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक युवाओं और नागरिकों को इस अभियान से जोड़ा जा सके। एसडीएम राजेश कुमार ने सभी विभागों की बैठक लेकर इससे संबंधित दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

डीएवी स्कूल की छात्राओं का गिद्दे में धमाल, पहले स्थान प्राप्त किया

- जिला बाल कल्याण परिषद ने किया था आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

जिला बाल कल्याण परिषद की ओर से बाल भवन फतेहाबाद में आयोजित जिला स्तरीय बाल दिवस प्रतियोगिताओं में नागपुर स्थित डीएवी स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से विद्यालय और गांव के नाम को रोशन करने का काम किया है। स्कूल की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए गिद्दे ने समारोह में ऐसी धूम मचाई कि पूरा पंडाल तालियों का गडग़ड़ाहट से गूंज उठा। इस प्रस्तुति ने निर्णायक मंडल को ऐसा प्रभावित किया कि स्कूल की गिद्दा टीम को पहला स्थान हासिल हुआ। इसके अलावा हरियाणवीं डांस और सोलो डांस में स्कूल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान हासिल किया। इस शानदार उपलब्धि पर कार्यक्रम की मुख्यअतिथि जिला बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष एवं फतेहाबाद उपायुक्त डॉ. विवेक भारती की धर्मपत्नी डॉ. दीपा मंगला द्वारा विजेता टीम को सम्मानित किया गया। डीएवी स्कूल नागपुर की प्रिंसीपल रंजू मेहता ने इस उपलब्धि पर विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनका उत्साह बढ़ाया।

सीएमके में राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर हुई क्विज प्रतियोगिता

- विद्यार्थियों को पत्रकारिता के महत्व से परिचित करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पत्रकारिता व जनसंचार विभाग की ओर से राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में पांच टीमों ने भाग लिया। प्रतिभागी विद्यार्थियों से मीडिया, सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, शिक्षा, खेल, विज्ञान, राजनीति से संबंधित प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कॉलेज प्राचार्या प्रोफेसर रंजना ग्रोवर ने कहा कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस भारतीय प्रेस परिषद के सम्मान के लिए मनाया जाता है। यह दिन भारत में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की उपस्थिति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा गया है। पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं, परिस्थिति चाहे कैसी भी हो वह घटना से संबंधित जानकारी व सच्चाई लोगों के सामने लाते हैं। यह दिन प्रेस की स्वतंत्रता और समाज के प्रति उसकी जिम्मेदारियां का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के के इस चौथे स्तंभ मीडिया के लोगों को को राष्ट्रीय प्रेस दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। इस अवसर पर कॉलेज के पत्रकारिता व जनसंपर्क विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ दीपिका शर्मा ने भी विद्यार्थियों को जागरूक किया।

भट्टूकलां की अग्रवाल धर्मशाला में भागवत कथा

भगवान श्री कृष्ण की झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोहा

वृंदावन से पहुंचे महाराज रमेश चंद्र शास्त्री ने श्रीकृष्ण और रुकमणी के विवाह की अमृत वर्षा का रसपान कराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भट्टूकलां।

भट्टूकलां। रीमद्भागवत कथा में श्रीकृष्ण लीला का वर्णन करते रमेश चन्द्र शास्त्री।

अग्रवाल धर्मशाला में गर्ग परिवार बन मंदोरी वालों की तरफ से आयोजित श्रीमद भागवत कथा के छठे दिन मथुरा वृंदावन से पहुंचे महाराज रमेश चंद्र शास्त्री ने श्रीकृष्ण और रुकमणी के विवाह की अमृत वर्षा का श्रद्धालुओं को रसपान कराया। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान बीच में सुंदर-सुंदर झांकियां प्रस्तुत की गई। कथा के छठे दिन सर्वप्रथम कथा वाचक द्वारा श्रीमद् भागवत कथा की गणेश वंदना विधि विधान से शुभारंभ कराया। कथा में भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य महारास लीला का वर्णन किया। कथा वाचक रमेश चंद्र शास्त्री ने कहा कि भगवान की महारास लीला इतनी दिव्य है कि स्वयं भोलेनाथ उनके बाल रूप के दर्शन करने के लिए गोकुल पहुंच गए। मथुरा गमन प्रसंग में अक्रूर जी भगवान को लेने आए. जब भगवान श्रीकृष्ण मथुरा जाने लगे समस्त ब्रज की गोपियां भगवान कृष्ण के रथ के आगे खड़ी हो गई। कहने लगी हे कन्हैया, जब आपको हमें छोडक़र ही जाना था तो हम से प्रेम क्यों किया। गोपी-उद्धव संवाद, श्री कृष्ण एवं रुकमणी विवाह उत्सव पर मनोहर झांकी प्रस्तुत की गई। भगवान श्री कृष्ण रुकमणी जी के समस्त श्रद्धालु भक्तजनों ने शादी का आंनद लिया। इस मौके पर भट्टू मंडी के सैंकड़ों लोगों ने कथा का रस्सा वादन किया।

विशेषः अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 19 नवंबर

दबावों-अपेक्षाओं-चुनौतियों से
विवश दुनिया भर के पुरुष

पुरुषों को परिवार का पालक, कमाने वाला और हर दबाव सहन कर लेने वाला लौह मनुष्य समझा जाता है। सदियों से चली आ रही यह मान्यता आज भी बरकरार है। इस वजह से वे अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं का सामना करने को विवश हैं। ऐसे में जरूरत है कि न केवल समाज बल्कि स्वयं पुरुष भी इन दबावों से मुक्त होने का प्रयास करें।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अनुमान के मुताबिक दुनिया में लगभग 4.14 अरब पुरुषों की आबादी है, जो विश्व आबादी की लगभग 50.27 फीसदी है। दुनिया के हर समाज में चाहे वो अफ्रीकन कबीलाई समाज हो, चाहे यूरोप का आधुनिक समाज हो, चाहे भारत और चीन जैसे पारंपरिक सभ्यताओं वाला समाज हो या अमेरिका का अत्याधुनिक बाजारू वर्चस्व वाला समाज हो। सभी समाजों में पुरुषों की मजबूती का मिथ सदियों से व्याप्त है। इस कारण आज के इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुष वर्ग अनेक मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। दरअसल, दुनिया के हर समाज में चाहे पूरब हो या पश्चिम, पुरुषों को लेकर यह मिथ बहुत गहरे तक मौजूद है कि वे मजबूती, भावनात्मक निरपेक्षता के धनी होते हैं यानी पुरुष होने का मतलब हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी भावनाओं पर पूरा नियंत्रण रखने वाला होता है। सच्चाई यह है कि इस मान्यता की वजह से पुरुष अनेक दबावों और परेशानियों के साथ जीने के लिए मजबूर होते जा रहे हैं।

बढ़ रही स्वास्थ्य समस्याएं

पुरुष हर हाल में मजबूत बने रहते हैं, कभी भावनाओं में नहीं बहते। इस मिथ पर खरे उतरने के लिए दुनिया के 70 फीसदी से ज्यादा पुरुष अपनी समस्याएं, खासकर शारीरिक समस्याएं किसी और को बताते ही नहीं हैं। इस वजह से उनमें शारीरिक समस्याएं बढ़ती हैं। दुनिया भर के स्वास्थ्य आंकड़े बताते हैं कि अपने स्वास्थ्य के चेकअप को लेकर पुरुष बेहद लापरवाह होते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा हार्ट अटैक पुरुषों को होता है और माना जाता है कि करीब 50 फीसदी पुरुषों को पहले से पता होता है कि वो इसकी चपेट में हैं, लेकिन इसका जिक्र कभी नहीं करते। वास्तव में इन मिथों ने पुरुषों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को आज तक के इतिहास में सबसे खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है। आज भी ज्यादातर पुरुष स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण चेकअप कराने से कन्नी काट जाते हैं। यही कारण है कि पुरुषों की ज्यादातर गंभीर बीमारियां समय रहते पकड़ में नहीं आतीं और यह आंकड़ा तो दुनिया में हर कोई जानता है कि हर देश में पुरुष महिलाओं के मुकाबले कम से कम 7-8 साल कम जीते हैं।

नहीं करते भावनाएं अभिव्यक्त

हैरानी की बात यह है कि इस डिजिटल और एआई के युग में भी पुरुषों से वैसी ही भावनात्मक उम्मीदें की जाती हैं, जैसे मध्ययुग में की जाती थीं कि वे अपनी परेशानियों का रोना नहीं रोएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया के करीब 60 फीसदी से ज्यादा पुरुष प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध विच्छेद का दंश झेलते हैं। क्योंकि वे अपनी भावनाओं और निर्भरताओं का सामाजिक रूप से प्रदर्शन नहीं कर पाते। इसलिए ऐसी परिस्थितियों में फंस जाने के बाद न केवल वे अपने दोस्त खो देते हैं बल्कि पारिवारिक अलगाव की सजा भी पुरुषों को ही मिलती है।

नहीं दिखना चाहते इमोशनली वीक

आज जब एआई, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भरमार है, तब भी यह देखना चिंताजनक है कि ज्यादातर पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे अकसर छिपे रहते हैं। उदाहरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया के अधिकांश देशों में पुरुषों द्वारा किए गए आत्महत्या के प्रयास, महिलाओं की तुलना में बहुत ज्यादा होते हैं। मगर हैरानी की बात यह है कि करीब 40 फीसदी आत्महत्या करने वाले या आत्महत्या की कोशिश करने वाले पुरुष इस बात का बिना खुलासा किए यह कदम उठा लेते हैं कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? दरअसल, पुरुषों की यह समस्या है कि वे अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं कर पाते, प्राचीन काल से आज तक यह स्थिति जैसे की तैसे ही बनी हुई हैं। आज भी पुरुषों को उसी नजरिए से देखा जाता है, उनसे वही अपेक्षा की जाती है। विडंबना यह है कि हर पुरुष खुद को भी उसी मिथक की नजर से देखता है। इसीलिए दुनिया का हर पुरुष भावनात्मक रूप से कमजोर होने के बाद भी इस बात से डरता है कि उसे दूसरा कोई कमजोर न समझे।

कम नहीं वर्क-इकोनॉमिकल प्रेशर

इस डिजिटल युग में समस्या सिर्फ भावनात्मक नहीं है। इस दौर की एक बड़ी समस्या यह भी है कि काम-काज की डिजिटल संस्कृति ने पुरुषों का लाइफ बैलेंस बिल्कुल बिगाड़कर रख दिया है। पिछली एक सदी से बराबरी के नारों के बीच भी दुनिया के हर समाज में आज भी पुरुषों से उम्मीद यही की जाती है कि घर में कमाने की जिम्मेदारी उन्हीं की है। सोशल मीडिया द्वारा भले पुरुषों की अनेक काल्पनिक छवियां प्रस्तुत की जाती हों, लेकिन विश्व के श्रम पर नजर रखने वाले संगठन बताते हैं कि अभी भी जीडीपी ओरिएंटेड तकरीबन 70 फीसदी काम दुनिया के पुरुष ही करते हैं और आज जबकि ज्यादातर मामलों में मशीन पुरुषों से बेहतर है, अब भी पुरुष इस दबाव में जीते हैं कि मैं अच्छा काम कर रहा हूं या नहीं। कहीं मैं दूसरे से पीछे तो नहीं रह जाऊंगा। इस वजह से वे ओवर वर्कप्रेशर में रहते हैं।

समाज-स्वयं पुरुष बदलें नजरिया

विश्व पुरुष दिवस के अवसर पर जरूरत है कि पुरुषों की स्वास्थ्य जागरूकता और विशेषकर उनके मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति पर खुलकर बोलने और स्वीकार करने का माहौल बने। पुरुषों को बदलती तकनीकी और सामाजिक जीवन में नई वास्तविकताओं को स्वीकार करना चाहिए। इस बात की भी जरूरत है कि पुरुषों को ज्यादा से ज्यादा संवाद मंच और मानसिक स्वास्थ्य चेकअप प्लेटफॉर्म पर लाया जाए। उन्हें परिवार का साथ और संबल मिले। पुरुष स्वयं को आयरन मैन न समझें। अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखें। तभी वे स्वस्थ-खुशहाल जीवन जी पाएंगे। *

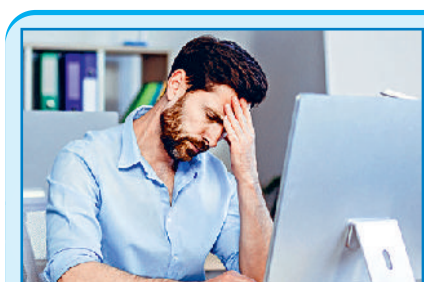

भारतीय पुरुषों की चुनौतियां

इस एआई और ग्लोबलाइजेशन के दौर में भारत में पुरुषों की औसत जीवन प्रत्याशा महिलाओं के मुकाबले करीब 08 साल कम है। सिर्फ उम्र के मामले में ही नहीं, पैदा होने के बाद सर्वाइव करने के मामले में भी पुरुष महिलाओं से पीछे हैं तथा हर साल बीमारियों से मरने वाले में पुरुषों और महिलाओं में 12 से 14 फीसदी का फर्क है। 2021 के रिपोर्ट में दर्ज नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक देश में 72.5 फीसदी आत्महत्याएं पुरुषों द्वारा की जाती हैं। 40 फीसदी पुरुष इस दौर में भी अपनी मानसिक स्वास्थ्य की समस्या को परिवार से छिपाते हैं और 2017 के एक आंकड़े के मुताबिक अलग-अलग रेंडम स्वास्थ्य पड़ताल में पाया गया था कि करीब 1.97 करोड़ पुरुष किसी न किसी तरह की मानसिक समस्या से ग्रस्त थे।

सवाल है आखिर इस खुलेपन के दौर में भी पुरुष खुद को लेकर इस तरह के बंद के शिकार क्यों हैं? तो विशेषज्ञों के मुताबिक भारत में पुरुषों पर आज भी वो पारंपरिक अपेक्षाएं बनी हुई हैं जो कृषि युग से उन पर रही हैं। मसलन आज भी पुरुष को परिवार का पालक, कमाने वाला और दबाव सहन कर लेने वाला लौह पुरुष समझा जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस डिजिटल मीडिया और प्रतिस्पर्धा के युग में पुरुष उपेक्षा का शिकार हो गए हैं और इस दौर में उनकी मानसिक असुरक्षा का सबसे बड़ा कारण रोजगार पर लटकती एआई की तलवार है।

नई सदी के पहले दशक यानी 2010 के बाद जन्मी पीढ़ी (जनरेशन अल्फा), बेशुमार तकनीकी सुविधाओं, कई चुनौतियों और अनेक दुविधाओं के साथ बड़ी हो रही है। ऐसे में उनका सहज, सही दिशा में विकास हो इसके लिए उन्हें थामने, संभालने और संबल देने की भी जरूरत है।

जनरेशन अल्फा मन-जीवन को थामने-संबल देने की दरकार

लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा

समय बदलने के साथ पीढ़ियां बदलती हैं और पीढ़ियों के साथ जमाने के रंग भी बदल जाते हैं। हर नई जनरेशन, पुरानी जनरेशन की तुलना में नए रंग-ढंग को जीती ही है। समय के साथ बच्चों की जीवनशैली से जुड़ा हर बदलाव सहज स्वीकार्य नहीं होता। इसे समझना और एक संतुलन साधना जरूरी है। हाल के वर्षों में अल्फा जनरेशन की जीवनशैली से जुड़े बदलाव बेहद विचारणीय हो चले हैं। तकनीक की दस्तक ने परिवर्तन की गति ना सिर्फ कई गुना बढ़ा दी है बल्कि बहुत से नए पहलू भी जोड़ दिए है। ऐसे में जनरेशन अल्फा को संभालने के लिए पैरेंट्स को सजग रहने की जरूरत है।

क्या है जनरेशन अल्फाः वर्ष 2010 से 2024 के बीच जन्मी पीढ़ी को जनरेशन अल्फा कहा जाता है। डिजिटल संसार में आंखें खोलने वाली यह पीढ़ी जनरेशन जेड की अगली पीढ़ी है। गौरतलब है कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे लोगों को जनरेशन जेड कहा जाता है। अल्फा पीढ़ी, ग्लोबल माइंडेड और आजाद खयाल है। साथ ही जेन अल्फा की सीखने-समझने की क्षमता और अंदाज दोनों ही अलग हैं। इस पीढ़ी को जन्म के समय से ही तकनीक ने घेरा हुआ है। डिजिटल दुनिया में कुशल नेविगेटर कही जाने वाली यह पीढ़ी, जागरूक और इनोवेटिव विचारों की धनी भी है। अपने अधिकारों को लेकर सजग है। अच्छी एडॉप्टिबिलिटी रखती है।

तकनीक का सही इस्तेमाल जरूरीः जनरेशन अल्फा को एक डिजिटल नेटिव माना जाता है। जन्म से ही कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन, टैबलेट, इंटरनेट और दूसरे डिजिटल डिवाइसेस इनके जीवन का हिस्सा रहे हैं। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में बड़ी हो रही अल्फा जनरेशन के मन और जीवन को थामने के लिए टेक्निकल गैजेट्स के सीधे इस्तेमाल की सीख देना आवश्यक है। लंबा समय स्क्रीन के सामने बिता रही अल्फा जनरेशन को डील करने के लिए पैरेंट्स इन्हें सामाजिक जीवन से जोड़ें। डिजिटल दुनिया में रील्स, पोस्ट्स, मीम्स देखते रहने वाली अल्फा पीढ़ी को अपने असली रिश्तों-नातों से मिलवाएं। पर्व-त्योहारों पर परंपरागत जीवन का पाठ पढ़ाएं। तकनीक को सहूलियत के बजाय लत न बनने दें। क्लिक भर में हर काम हो जाने के आदी न होने दें। खुद अपने काम करने दें। चिंतनीय है कि तकनीकी जाल में उलझे ये बच्चे, कई मोर्चों पर दिशाहीनता का शिकार भी हो जाते हैं। यही वजह है कि इस हाइटेक पीढ़ी को डील करने के लिए कुछ मामलों में असीम धैर्य की भी दरकार है, तो कई बातों को लेकर स्पष्ट गाइडलाइंस बनाना भी जरूरी हैं। बड़ों का साथ और स्नेह, जेन अल्फा को भी सहज जीवन से जोड़े रखेगा।

नियमित संवाद जरूरीः चैट-जीपीटी से सलाह लेने वाली इस जनरेशन से हर समस्या को लेकर नियमित संवाद किया जाना चाहिए। साथ ही इन बच्चों को सेल्फ कंट्रोल सिखाना भी बहुत जरूरी है। अनुशासित जीवनशैली न केवल स्मार्ट स्क्रीन से दूर रखेगी बल्कि जीवन को वास्तविक धरातल पर जीना भी सिखाएगी। इन बच्चों को स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल से पूरी तरह दूर नहीं रखा जा सकता। मानसिक रूप से मजबूत और सजग पीढ़ी पर किसी भी तरह का दबाव डालने के बजाय हर मामले में कोई बेहतर ऑप्शन सुझाएं। रचनात्मक सोच को बढ़ावा दें। इंडोर गेम्स हों या दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज, पैरेंट्स इस टेक सेवी पीढ़ी को सार्थक व्यस्तता का माहौल दें।

भावनात्मक मोर्चे पर डटेंः बात चाहे असल और आभासी व्यक्तित्व का फर्क समझाने की हो या सामाजिक-पारिवारिक जीवन से जोड़ने की, पैरेंट्स अल्फा पीढ़ी को इमोशनल फ्रंट पर अवश्य थामें। एडिटेड फोटोज, फॉलोअर्स और वर्चुअल स्टारडम की आभासी दुनिया में खोए बच्चों का मन समझने का प्रयास करना जरूरी है। सोशल लाइफ से लगभग दूर हो चुकी अल्फा पीढ़ी मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक मेल-जोल के मामले में कई चुनौतियों से जूझ रही है। गुस्सा, चिड़चिड़ापन और याददाश्त कम होने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। ऐसे में इन बच्चों को स्क्रीन स्क्रॉलिंग के बजाय साथ बैठकर बात करने का महत्व समझाएं। वर्चुअल संसार में गुम होकर अकेलेपन और अवसाद के घेरे में आने से बचाने के लिए सॉफ्ट स्किल्स सिखाने पर फोकस करें। व्यावहारिक मोर्चे पर स्क्रीन स्क्रॉलिंग ने इन्हें जरूरत और इच्छा का अंतर समझने का माहौल ही नहीं दिया। अभिभावक इनकी मनचाही चीजें उपलब्ध करवाने और हर मांग पूरी करने से भी बचें। इस पीढ़ी के बच्चों के पास हर तरह की सूचनाएं और जानकारियां भी पहुंच रही हैं। ऐसे में अभिभावक उनके सवालों पर ध्यान दें। डांटने-डपटने और चुप रहने की हिदायत देने के बजाय मन से बच्चों के विचार सुनकर ही उनको सपोर्ट किया जा सकता है। पैरेंट्स तकनीक से भरपूर वातावरण में परवरिश पाती अल्फा जनरेशन में, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जुड़ाव का भाव जगाएं। मशीनों के बीच पलती इस पीढ़ी के मन की संवेदनाओं को बचाना, आज पैरेंट्स की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। *

गजल
अब्दुल कलाम

यहां कोई किसी का अब न होगा
किसी को जब तलक मतलब न होगा

तरस जाएंगी साहिल के लिए फिर
नाखुदा कश्तियों का जब न होगा

सुलझती जाएगी जब खुद ही उलझन
किसी का जब कोई मजहब न होगा

कौन होगा नामलेवा फिर अदब का
जब सलीके का कोई मकतब न होगा

दे सका न जां वतन की राह में जो
उसके जीने का कोई सबब न होगा

कर सका न जो किनारा तू अना से
साथ तेरे फिर तेरा ही रब न होगा

व्यंग्य
डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

रौब जमाती मूंछें!

अभी एक रोज सुबह-सुबह पार्क में टहलते समय मित्रों के संग मूंछों पर बहस चली तो हर कोई अपनी मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों के पुराण पर चर्चा करने लगा। वकील साहब मथुरा जी अपनी सीनियर सिटीजन वाली करीने से कटी सफेद मूंछों पर हाथ फेरते हुए बोले, 'मैंने जब से मूंछों को बढ़ाया फिर रख-रखाव बेहतर तरीके से करने लगा, तो हर कोई मेरी मूंछों को देखकर मूंछों के बारे में चर्चा करने लगा। हर कोई कहने लगा है कि अब हमें मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी की जगह मूंछें हों तो मथुरा लाल वकील साहब जैसी कहना पड़ेगा। इस पर मैं फूला नहीं समाता और मूंछों पर हाथ फेरते हुए मूंछों को और सम्मान देने लगा हूं।' कुछ पल गर्वीली मुस्कान बिखेरने के बाद वह पुनः बोले, 'जब से मैंने मूंछें बढ़ाईं, उनको सहेजा तो बहस के मुद्दों के दौरान उस पर हाथ फेरते रहने से कई क्लाइंट के मुकदमे जीत लिए। कोर्ट में हर कोई मुझको देखने के पहले मेरी मूंछें देखता। जब-जब नए क्लाइंट आते तो कहते मेरे वकील साहब तो मूंछों वाले हैं! जिनको देखकर ही सामने वालों के मुकदमे की मूंछें नीची हो जाती हैं।'

इस पर सुनील भैया बोले, 'हमारे गांव में भी जब भी मान-सम्मान की बात होती है, लोग कहते हैं मूंछ का सवाल है। फिल्म में तो मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी बात प्रचलन में आई। लेकिन हर गांव में मूंछों पर ताव देने वाले मिलते हैं। गांव के एक बुजुर्ग तो मूंछों पर ताव देने के कारण ताऊजी कहलाने लगे हैं।'

इस पर बात-बात में मूंछों पर ताव देने वाले रमन सिंह बोले, 'अरे मूंछें आन-बान और शान होती हैं। मूंछें कोई भी रख ले, लेकिन उन्हें मेंटेन करना आसान नहीं होता है। मूंछें भी फर्क और फख्र वाली होती हैं। अमीर सरमाएदार की मूंछें मर्दानगी, स्वाभिमान, वीरता, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और अधिकार को प्रकट करने वाली मानी जाती हैं। इसीलिए छोटे, गरीब आदमी पहले तो मूंछें रख ही नहीं सकता और यदि कोई रखता भी है तो इसलिए कि वक्त जरूरत पड़ने पर मूंछें नीचे करके जान की अमान पा जाए।'

इस पर रामनिवास जी बोले, 'आपको पता नहीं जब कोई अपना रौब अपनी वाणी, कार्यशाली से नहीं जमा पाता है तो उसकी मूंछें रौब जमा देती हैं। अरे, अच्छे से अच्छा पहलवान क्यों ना हो, अखाड़े में उतरने से पहले मूंछ पर ताव जरूर देता है, फिर दांव खेलता है। मूंछें व्यक्ति की बॉडी लैंग्वेज भी होती हैं। ताव देने वाली मूंछें, डाई के जरिए सफेद से काली की गई मूंछें, खड़ी-आड़ी मूंछें, लंबी मूंछें, लकीरों वाली मूंछें, होंठों के ऊपर जेलर टाइप आदि-आदि तरह की मूंछों से व्यक्ति की पर्सनालिटी का पता चलता है।' इस पर ज्ञान बघारने कमल जी बोले, 'मूंछों को सहलाने से, हाथ फेरने से दिमाग में तरह-तरह की नई सोच और आइडिया आते हैं। मूंछें समस्या को हल भी करती हैं तो कई स्थान पर प्रॉब्लम भी क्रिएट करती हैं। मूंछें व्यक्ति की पहचान होती हैं। मूंछों की प्रकृति आकार के आधार पर लोगों को जाना जाता है। कुछ मूंछमुंडे भी होते हैं, जिन्हें अपनी पहचान किसी अन्य तरीके से बनानी पड़ती है और इसके लिए काफी जतन करने पड़ते हैं।' जब मूंछों पर इतनी बहस चल रही थी तो प्रोफेसर साहब बोले, 'मूंछों का आकार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाता है तो कई बार मूंछों पर ताव देना भारी भी पड़ जाता है और मूंछों पर ताव देने वाले का दांव खाली चला जाता है। मूंछ कटे को नाक कटा भी लोग मानते हैं, लेकिन हकीकत में मूंछें मर्दों का श्रृंगार होती हैं, रौबदार, पानीदार, बट और बल वाली मूंछों से लोग प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते हैं।' मूंछों पर चली बहस से ही मॉर्निंग वॉक का जब समय खत्म होने वाला था, तब रामनिवास जी बोले, 'मूंछों के भी भाव होते हैं, मूंछ और ताव का गठजोड़ होता है। बगैर मूंछों के ताव के मुकाबले कोई ताव, ताव नहीं होता है, लेकिन जब अपमान का घूंट पीना पड़ता है तो मूंछें नीचे हुई मानी जाती हैं। जब खाने-पीने की चीजों में मूंछें डूबने लगती हैं तो उसे आलसी और अजीबो-गरीब माना जाता है। ऐंठने वाली मूंछें जब तनी हुई रहती हैं तब पूरा फेस हर मोर्चे को फेस करने के लिए तैयार रहता है।' वे आगे बोले, 'कटी मूंछें, तनी मूंछे, राजसी मूंछ, फनी मूंछ, झुकी मूंछ, फुकी मूंछ, फेक मूंछ भांति-भांति के मूंछों पर किसी शायर ने कहा है, हमारी मूंछ का आलम यह है कि ताव हम देते हैं, घाव दुनिया पर पड़ता है। इसलिए मूंछें हों तो नत्थूलाल जैसी वरना न हों।' *

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

भाई से बड़ा

आज गोपाल की आंखें नम थीं। उसके साथ जो हुआ, कभी वह सोच भी नहीं सकता था। छोटे भाई साजन को अपनी ससुराल जाना था। वहां कोई धार्मिक अनुष्ठान था। निमंत्रण पत्र गोपाल के पास भी आया था। साजन के पास बड़ी गाड़ी थी। गोपाल ने उससे पूछा, 'साजन तुझे ससुराल जाना है न शाम को?'

'हां भैया, जाना है।' साजन ने जवाब दिया। गोपाल ने कहा, 'साजन मैं भी तुम्हारे साथ चलूंगा।' 'यह तो बहुत अच्छी बात है। आपको जरूर ले चलूंगा।' साजन ने भरोसा दिया।

गोपाल ने जाने की पूरी तैयारी कर ली। बस इंतजार था साजन के बुलाने का। गोपाल ने अपने बड़े बेटे से कहा, 'अरे बेटा, देखकर तो आ, तेरा चाचा मुझे लेने क्यों नहीं आया? समय तो हो चुका है।'

'जी पिताजी।' कहकर बेटा चाचा के घर चला गया। वहां से लौटकर बताया, 'पिताजी, चाचा जी तो निकल गए, घर पर ताला लगा हुआ है और गाड़ी भी नहीं है वहां।' गोपाल का मन भारी हो गया। उसने तुरंत फोन किया, 'साजन कहां है तू?'

'भैया मैं तो निकल गया ससुराल के लिए।' साजन ने जवाब दिया। 'मुझे तो तेरे साथ चलना था और तूने हामी भी भरी थी।' गोपाल बोला। 'हां भैया...पर बात ऐसी थी कि...।' वह बोलता-बोलता रुक गया। 'कैसी बात थी भाई?' गोपाल ने पूछा। 'गाड़ी में एक सीट आगे की खाली थी, लेकिन मुझे ओरियो को ले जाना पड़ा।' साजन हकलाते हुए बोला। 'ओरियो...ये ओरियो कौन है?' गोपाल ने आश्चर्य से पूछा। 'भैया, ओरियो मेरे डॉगी का नाम है।' साजन ने बताया।

'क्या डॉगी को बैठाने के लिए तूने बड़े भाई को छोड़ दिया... भाई से बड़ा तेरा डॉगी हो गया।' कहकर गोपाल ने तुरंत फोन काट दिया। *

पुस्तकः शोर एवं अन्य कविताएं (कविता संग्रह)
रचनाकारः मनोज मोहन,
मूल्यः200 रु, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

चुप्पियों का शोर

कई वर्षों से साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय मनोज मोहन का पहला कविता संग्रह 'शोर एवं अन्य कविताएं' हाल में ही छपकर आया है। मनोज अपनी कविताओं में कम शब्द खर्च करके बड़ी और गहरी बात कहने में यकीन करते हैं। यही वजह है कि संग्रह की अधिकांश कविताएं छोटी हैं लेकिन उनमें हमारे समय, समाज के विद्रूप और मनुष्यता के समक्ष उपस्थित संकटों को साफ तौर पर लक्षित किया जा सकता है। *'मैं चाहता हूं होना/सामान्य व्यक्ति/जिसे सहज जीवन मिले।'* (सामान्य व्यक्ति) और *'चलो हम एक किताब बनाएं/जहां तुम दिखो खुश-खुश/मैं रहूं उदास-उदास।'* (चलो हम एक किताब बनाएं) जैसी पंक्तियां अपनी साधारणता में भी असाधारण भावार्थ प्रकट करती हैं। ये कविताएं हमें वैचारिकता का एक नया प्रस्थान बिंदु प्रदान करती हैं। कुछ कविताओं को घर, तुम और महामारी खंडों में भी संकलित किया गया है। *

गोवा को आमतौर पर शानदार सी बीचेज वाले स्थल, हनीमून और मस्ती भरे टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर जाना जाता है। लेकिन गोवा में ऐसे कई लोकेशंस भी हैं, जो हमें इतिहास और संस्कृति से रूबरू कराते हैं। जानिए, गोवा में स्थित कुछ ऐसे ही ऑफबीट टूरिस्ट प्लेसेस के बारे में।

इतिहास-संस्कृति से रूबरू कराते गोवा के ये अनोखे पर्यटन स्थल

टूरिस्ट स्पॉट
बुशरा फातमा

हालांकि भारत के लगभग हर राज्य में ऐसे स्थल मौजूद हैं, ऐसी ढेरों कहानियां और किस्से सुनने-पढ़ने को मिल जाएंगे, जिसमें उस स्थान और अपने देश से जुड़े गौरवशाली इतिहास का ब्यौरा मिलता है। गोवा में भी ऐसे कई कम चर्चित स्थल मौजूद हैं। खूबसूरत सी बीचेज के लिए दुनिया भर में फेमस गोवा में स्थित कुछ ऐसे ही लोकेशंस के बारे में आपको बता रहे हैं, जहां इतिहास और संस्कृति का मिला-जुला संगम देखने को मिलता है।

कुर्डी गांव

रिवोना केव

बुड़बुड़ ताली

साउथ गोवा के नेत्रवाली में एक अनोखा तालाब मौजूद है, जिसे बुड़बुड़ ताली या बबल लेक के नाम से जाना जाता है। करीब 400 साल पुराना यह तालाब गोपीनाथ मंदिर के प्रांगण में मौजूद है, जहां सिर्फ ताली बजाने या किसी तेज आवाज से ही तालाब के नीचे से पानी के ऊपर की तरफ बुलबुले बनने लगते हैं। यहां के स्थानीय लोगों में इस तालाब को लेकर बहुत श्रद्धा है। हालांकि साइंटिस्ट्स इस प्रभाव के लिए किसी रासायनिक क्रिया और गैस को जिम्मेदार मानते हैं। कुदरत के करिश्मे वाले इस अनोखे तालाब को देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं।

उसगलीमल शिलालेख

साउथ गोवा के उसगलीमल गांव में मौजूद यह शिलालेख, करीबन 4 हजार से 6 हजार साल पुराना है। सालों तक इस गांव से बहती कुशावती नदी की गोद में छुपे ये शिलालेख लोगों की नजरों से दूर थे। 1993 में जब गांव वालों की नजर नदी के किनारे पत्थरों पर अलग-अलग आकृतियों पर पड़ी तो उन्होंने पुरातत्व विभाग को खबर दी। पता चला ये हजारों साल पहले, शायद मध्य पाषाण युग का समय था, जब इंसान अपने आस-पास की चीजों को देखकर उसकी आकृति पत्थरों पर उकेरा करता था। इन आकृतियों में जानवर, तरह-तरह के रास्ते और पैरों के निशान देखने को मिलते हैं। अगर आप इतिहास और पुरातात्विक अवशेषों में रुचि रखते हैं, तो गोवा के इस जगह पर आपको जरूर जाना चाहिए। घने जंगल और कुशावती नदी का यह हिस्सा आपका मन मोह लेगा।

कुर्डी गांव

सन 1960 तक सांगेम तालुका नामक स्थान पर मौजूद कुर्डी गांव एक अच्छा-खासा बसा-बसाया गांव हुआ करता था। हिंदू, मुस्लिम और कैथलिक समुदाय की समृद्ध आबादी यहां निवास करती थी। सन 1960 में जब साउथ गोवा को ज्यादा मात्रा में पानी मुहैया करवाने के लिए सलौलिम डैम बनाने का प्रस्ताव आया तो सबसे पहले कुर्डी गांव को खाली करवाया गया। ये पूरा गांव पानी के अंदर समा गया ताकि डैम का पानी सुचारू रूप से बह सके। मई महीने में जब पानी का स्तर कम होता है तब गांव का कुछ हिस्सा पानी के बाहर दिखाई देता है। वे लोग, जो अपना घर बार छोड़कर दूसरी जगह बस गए वो मई महीने में यहां आकर अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हैं। हर साल तीनों समुदाय के लोग यहां आकर अपने-अपने धार्मिक जगहों की स्मृति में उत्सव मानते हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में पर्यटक भी यहां जुटते हैं।

रिवोना केव

साउथ गोवा में स्थित रिवोना केव यानी रिवोना गुफाओं को उस दौर का ऐतिहासिक स्थल माना जाता है, जब गोवा में मानव समुदाय की बस्ती बसनी शुरू ही हुई थी। माना जाता है कि इस जगह पर उस समय के बुद्धिमान लोग ही आकर बसते थे। मान्यता है कि यहां बौद्ध धर्म के अनुयायी भी रहा करते थे। 7वीं शताब्दी की इन गुफाओं को देखने के लिए यहां देश-विदेश से काफी पर्यटक आते हैं। *

इंसान ही नहीं पशु-पक्षी भी करते हैं बदलते मौसम की तैयारी

हम इंसान तो तकनीकों के जरिए मौसम में आने वाले बदलावों का पता लगाकर उसके हिसाब से अपनी तैयारी करते हैं। लेकिन प्रकृति ने कई पशु-पक्षियों को ऐसी क्षमता नैसर्गिक रूप से प्रदान की है। ऐसे ही कुछ जंतुओं के बारे में जानिए।

रोचक / अपराजिता

पशु-पक्षी भले इंसानों की तरह तेज दिमाग के न होते हों, लेकिन इंसानों की ही तरह आने वाले मौसम की दुश्वारियों से बचने के लिए अपने स्तर पर वे भी बाकायदा योजनाबद्ध ढंग से तैयारी करते हैं। जिस तरह मौसम बदलने से पहले इंसान गर्म कपड़ों, छत की मरम्मत या पंखे, कूलर आदि को दुरुस्त कर लेते हैं, उसी तरह धरती के दूसरे पशु-पक्षी भी आने वाले मौसम की चुनौतियों के लिए अपनी ही सूझबूझ और योजनाबद्धता से तैयारी करते हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि इंसानों के विपरीत ये पशु-पक्षी ऐसी तैयारियां बिना किताबें पढ़े, बिना मौसम विभाग की चेतावनी सुने ही करते हैं। क्योंकि इनके पास न रेडियो होता है, न प्रकृति की गतिविधियों की सूचना देने वाला इनके लिए कोई जरिया होता है। दरअसल, खुद कुदरत ने ही इन्हें अनुमान लगाने की अद्भुत क्षमता दी है, ये उसी के आधार पर अपने सहज ज्ञान और जैविक अनुभव प्रवृत्तियों के जरिए मौसम की बदलती करवटों के लिए महीनों पहले से ही तैयारी में जुट जाते हैं।

कोयल की कूक का संकेत: भारत के ग्रामीण परिवेश में बहुत सारी जानकारियों को अखबारों, रेडियो या किताबों से नहीं, पशु-पक्षी की गतिविधियां देखकर जानी, समझी जाती हैं। मसलन, अगर कोयल के स्वर में मधुर स्वर आ गया है, तो इसका मतलब यह है कि वह बदलते तापमान के प्रभाव में अपने प्रजनन चक्र को समायोजित करने की कोशिश में है। मसलन, अगर कोयल के स्वर में मधुरता है, तो पतझड़ निकट है, क्योंकि मार्च, अप्रैल में जब पेड़ों पर नई कोपलें फूटती हैं, उसी समय कोयल, कौवे के घोंसले में चुपके से अंडे दे देती है, इसे विषय के जानकार लोग 'ब्रूड पैरासिटिज्म' कहते हैं यानी जब तपती गर्मी आए, तो उसके बच्चे किसी अन्य पक्षी की देखभाल में सुरक्षित पलें। कहने का मतलब यह है कि कोयल खुद मौसम की कठिनाइयों को समझकर पहले से ही अपनी अगली पीढ़ी की सुरक्षा सुनिश्चित कर लेती है।

हाथी बताता है जल का स्रोत: हाथी एक ऐसा पशु है, जो भारत में मानसून और सूखे दोनों का बहुत सटीक तरीके से अंदाजा लगा लेता है। सूखा पड़ने से पहले वह झुंड बनाकर लंबी यात्राएं शुरू कर देता है और उस ओर बढ़ता है, जहां जलस्रोत होते हैं। राजस्थान और मध्य भारत के जंगलों में हाथियों का यह जलप्रवास, वर्षों पुराने जलस्रोतों की उनकी स्मृतियों पर आधारित होते हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि वे भूमि की नमी, पौधों के मुरझाने और हवा की गंध से पानी की कमी का किसी भी वैज्ञानिक डिवाइस से ज्यादा सटीक अनुमान लगा लेते हैं।

अबाबील देती है मानसून का संदेश: इस छोटी-सी चिड़िया को भारत में मानसून की संदेशवाहक भी कहते हैं। दरअसल, अबाबील, हजारों किलोमीटर दूर अफ्रीका या दक्षिण भारत से उड़कर गर्म और आर्द्र इलाकों में आती है।

वैज्ञानिकों ने सालों निगरानी के बाद यह पाया है कि अबाबील पक्षी केवल भोजन की तलाश के लिए प्रवास नहीं करती। इसके इस प्रवासन चक्र में मौसम जनित सुरक्षा की भी योजना छिपी होती है। जब उत्तर भारत में सर्दी बढ़ती है और कीट-पतंगे बेहद कम हो जाते हैं, तब यह अबाबील दक्षिण भारत की ओर उड़ जाती है और जैसे ही गर्मियां लौटती हैं, यह भी अपने पुराने घर की ओर लौट आती हैं। ग्रामीण भारत में लोग अबाबील देखकर अनुमान लगाते हैं कि अब बारिश बस आने ही वाली है। वास्तव में यह पक्षी वातावरण के दबाव और आर्द्रता के सूक्ष्म बदलाव को बहुत बारीकी से महसूस कर लेती है।

इस तरह देखें तो इंसान ही नहीं, पशु-पक्षी भी आने वाले मौसम की दुश्वारियों से खुद को बचाने के लिए अपने ज्ञान, पूर्वानुमान और कठोर अनुशासन का इस्तेमाल करते हैं। *

जल संचित कर लेते हैं ऊंट

ऊंट को रेगिस्तान का जहाज माना जाता है, क्योंकि वह रेगिस्तान में दूसरे किसी भी वाहन से ज्यादा बेहतर और सहजता से रह लेता है। लेकिन ऊंट सिर्फ रेगिस्तान के बारे में ही इतनी सटीकता से नहीं जानता बल्कि वह रेगिस्तान के सबसे कठोर मौसम में जीवित रहने की कला भी भलीभांति जानता है। यही वजह है कि जब राजस्थान में गर्मी अपने चरम पर होती है, तो वह न केवल अपने शरीर में पानी की खपत को नियंत्रित कर लेता है बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से उसका शरीर पानी को पुनःअवशोषित करने की क्षमता भी रखता है। इसी के चलते वह कई दिनों तक बिना पानी पीए भी रह लेता है, लेकिन यही ऊंट मानसूनी संकेत मिलने पर जरूरत से कई गुना ज्यादा पानी पीता है। अपने शरीर में एक वाटर रिजर्व भी बना लेता है। वास्तव में यह उसकी छठी इंद्री का मौसम प्रबंधन है, जो रेगिस्तान की कठोर परिस्थितियों में उसके जीवन को संभव बनाता है।

घर में सुविधायुक्त टॉयलेट, हमारे व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण एवं गरिमापूर्ण जीवन के लिए भी बहुत जरूरी है। वर्ल्ड टॉयलेट-डे, 19 नवंबर पर बता रहे हैं इससे जुड़ी कुछ रोचक बातें।

सभी के लिए है जरूरी स्वच्छ-सुविधायुक्त टॉयलेट

अवेयरनेस
शिखर चंद जैन

हर साल 19 नवंबर को वर्ल्ड टॉयलेट डे यानी विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है। आप सोच रहे होंगे कि भला शौचालय के लिए भी कोई दिन मनाने की क्या जरूरत है! आपको बता दें कि भले ही आपके घर में सुविधायुक्त शौचालय है, लेकिन दुनिया में आज भी करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिनके पास सुरक्षित और स्वच्छ शौचालय नहीं हैं। विश्व शौचालय संगठन द्वारा एकत्रित आंकड़ों के अनुसार, विश्व में लगभग एक अरब लोग आज भी खुले में शौच करते हैं। ऐसे में यह दिन हमें यह याद दिलाने के लिए मनाया जाता है कि शौचालय हमारे स्वास्थ्य, सम्मान और पर्यावरण के लिए कितना जरूरी है।

विश्व शौचालय दिवस का इतिहास: विश्व शौचालय दिवस की शुरुआत 2001 में हुई थी। स्वास्थ्य और जन सरोकार विशेषज्ञों की सलाह पर स्वच्छता के मुद्दों पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने के लिए विश्व शौचालय संगठन की स्थापना की गई। वर्षों की अंतरराष्ट्रीय बहस और सिफारिश के बाद, संयुक्त राष्ट्र ने 2013 में आधिकारिक तौर पर विश्व शौचालय दिवस को वार्षिक आयोजन के रूप में घोषित किया। यह दिवस 2030 तक सभी के लिए स्वच्छ जल और स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

बुनियादी जरूरत है शौचालय: इस वर्ष विश्व शौचालय दिवस की थीम 'बदलती दुनिया में स्वचछता' और स्लोगन है 'हमें हमेशा शौचालय की आवश्यकता होगी'। इस साल की थीम और स्लोगन का मुख्य संदेश यह है कि चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए, जितनी भी नई तकनीकें आ जाएं, हम चाहे कितने ही एडवांस हो जाएं, शौचालय की जरूरत कभी खत्म नहीं होगी। यह कोई लग्जरी नहीं बल्कि एक बुनियादी जरूरत है। हर घर में शौचालय होना तो आवश्यक है ही। साथ ही यह भी जरूरी है कि हम शौचालय का इस्तेमाल करते समय और उसके बाद कुछ बातों का ध्यान रखें।

फ्लश करते समय रखें ध्यान: टॉयलेट में फ्लश हमेशा ढक्कन लगाकर करें क्योंकि टॉयलेट फ्लश आपके टॉयलेट से छह फीट की ऊंचाई तक कीटाणुओं को बाहर निकाल सकता है। हर बार जब आप टॉयलेट फ्लश करते हैं, तो कीटाणु हवा में उड़ जाते हैं और आपके बाथरूम में घूमकर आपके टॉयलेट के आस-पास की जगहों और वस्तुओं जैसे-टूथब्रश, साबुन आदि पर भी पहुंच सकते हैं। अगर आपके टॉयलेट सीट में ढक्कन नहीं है, तो टॉयलेट फ्लश करने के बाद तुरंत बाहर निकल जाएं।

हाथ अच्छे से धोएं: टॉयलेट यूज करने के बाद बहुत अच्छी तरह से हाथ धोना जरूरी है। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि लगभग 20 प्रतिशत लोग शौचालय जाने के बाद अपने हाथ नहीं धोते। जो लोग धोते भी हैं, उनमें से केवल 30 प्रतिशत ही साबुन का इस्तेमाल करते हैं, जबकि बाथरूम के कीटाणुओं को मारने के लिए साबुन से लगभग 15 से 20 सेकेंड तक अच्छी तरह हाथ धोने की सलाह दी जाती है। निराशाजनक बात यह है कि केवल 5 प्रतिशत लोग ही 15 सेकेंड या उससे ज्यादा समय तक हाथ धोते हैं।

टॉयलेट पेपर का हो सीमित इस्तेमाल: टॉयलेट पेपर का आवश्यकतानुसार सीमित उपयोग करने की आदत डालनी चाहिए। इसे एक्स्ट्रा वेस्ट करने से बचना चाहिए। एक चौंकाने वाला तथ्य यह है कि अमेरिकी प्रति वर्ष 433 मिलियन मील टॉयलेट पेपर का उपयोग करते हैं, जो पृथ्वी से सूर्य तक जाने और वापस आने की सम्मिलित दूरी के बराबर है।

शौचालय में स्मार्टफोन है खतरनाक: लगभग 75 प्रतिशत स्मार्टफोन धारक शौचालय में अपने फोन का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें टेक्स्ट मैसेज भेजना, फोन कॉल करना, वेब सर्फिंग और ऑनलाइन शापिंग शामिल है। यह स्वास्थ्य के लिए खतरनाक आदत तो है ही, अगर फोन टॉयलेट में गिर जाए तो यह जेब पर भी भारी पड़ सकता है। मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वाले लोग अधिक देर तक शौचालय में बैठे रहते हैं, क्योंकि उनका ध्यान फोन पर रहता है। शौचालय की सीट पर लंबे समय तक बैठने से पाइल्स हो सकता है।

पब्लिक टॉयलेट के इस्तेमाल में बरतें सावधानी: व्यापक सर्वे और अध्ययन के बेस पर विशेषज्ञों का मानना है कि अगर आप किसी सार्वजनिक शौचालय में सबसे साफ शौचालय का इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो पंक्ति में सबसे पहले वाले शौचालय कक्ष (जो दरवाजे या सिंक के सबसे पास हो) का ही इस्तेमाल करें। यह आमतौर पर सबसे कम यूज किया जाता है और इसलिए तुलनात्मक रूप से अधिक साफ होता है।

सबसे गंदा स्थान नहीं है टॉयलेट: आपको यह जानकार हैरानी होगी कि औसत रसोईघर के चॉपिंग बोर्ड पर शौचालय की सीट की तुलना में लगभग 200 प्रतिशत अधिक बैक्टीरिया होते हैं। इससे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि स्मार्टफोन में टॉयलेट हैंडल की तुलना में लगभग 20 गुना अधिक बैक्टीरिया होते हैं। एक औसत डेस्क पर एक औसत शौचालय सीट की तुलना में 400 गुना अधिक बैक्टीरिया होते हैं। *

सबसे महंगा टॉयलेट

अमेरिकन स्पेस एजेंसी नासा ने हाल ही में स्पेस शटल के लिए एक सक्शन टॉयलेट डिजाइन करने पर 23.4 मिलियन डॉलर खर्च किए हैं, जो 850 लीटर वायु प्रवाह प्रति मिनट की सक्शन तकनीक के साथ शून्य गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देगा। यह दुनिया का अब तक को सबसे महंगा टॉयलेट है।

शादी, बॉलीवुड फिल्मों का एक सदाबहार विषय रहा है। शादी पर केंद्रित एवं इसके इर्द-गिर्द फिल्में और गाने बॉलीवुड में बनते रहे हैं। इनमें से कई फिल्में और गाने सुपर-डुपर हिट रहे। इन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। विवाह-केंद्रित ऐसी ही कुछ बेहतरीन फिल्मों और गानों पर एक नजर...

हिंदी फिल्मों में खूब दिखी है शादी-ब्याह की बहुरंगी छटा

सिने ट्रेंड
कैलाश सिंह

भारतीय समाज में कश्मीर से कन्याकुमारी तक हर वर्ग और समाज में शादी समारोह का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। शायद यही वजह है कि बॉलीवुड की कई फिल्मों की कहानियों के केंद्र में भी शादी समारोह को रखा गया है। चाहे वह परंपरागत अरेंज मैरिज हो, लव मैरिज हो, भागकर की गई शादी हो, अमीर-गरीब के बीच शादी हो, अंतर-जातीय या अंतर-धार्मिक विवाह हो या दो अलग-अलग संस्कृति या भाषा से संबंधित लोगों की शादी हो।

'हम आपके हैं कौन' में सलमान-माधुरी दीक्षित

'विकी डोनर' में आयुष्मान के साथ यामी गौतम

वेडिंग एलबम जैसी 'हम आपके हैं कौन': साल 1994 में रिलीज फिल्म 'हम आपके हैं कौन' वेडिंग फंक्शन पर केंद्रित एक बेहतरीन फिल्म है। फिल्म के केंद्र में यूं तो प्रेम (सलमान खान) और निशा (माधुरी दीक्षित) की लव स्टोरी, अपने परिवार के लिए त्याग की भावना है। लेकिन यह वास्तव में अभिभावकों द्वारा तय किए गए परंपरागत हिंदू विवाह का प्रभावी ढंग से तैयार किए गए शादी के वीडियो एलबम की तरह है। फिल्म में दो दोस्त जब बहुत दिनों बाद मिलते हैं, तो आपस में अपने बच्चों की शादी कराने का निश्चय करते हैं और फिर एक परंपरागत विवाह का सिलसिला आरंभ हो जाता है। लड़के और लड़की की मुलाकात घर से बाहर अलग स्थान पर कराई जाती है। वे एक-दूसरे को पसंद कर लेते हैं। फिर उनकी सगाई होती है और बाद में लड़के वाले बारात लेकर कन्या पक्ष के घर पहुंचते हैं। फिल्म में जूते चुराने के रस्म से लेकर शादी से संबंधित अनेक रस्मो-रिवाज को खूबसूरती से दिखाया गया है। जूते चुराने की रस्म पर केंद्रित गाना 'जूते दे दो पैसे ले लो' फिल्माया गया है। इसके अलावा भी फिल्म में कई सिचुएशंस पर बेहतरीन गीत पिरोए गए हैं।

'मेरे महबूब' में राजेंद्र कुमार-साधना

परंपरागत विवाह पर बनी फिल्में: देखा जाए तो उत्तर भारत में परंपरागत हिंदू विवाह और परंपरागत मुस्लिम शादी में कोई विशेष अंतर नहीं है। यहां शादी में फेरों की जगह काजी को बुलाकर निकाह पढ़वाया जाता है। मां-बाप द्वारा रिश्ता तय करना, सगाई, बारात, जूते चुराई, विदाई जैसी कई रस्में हिंदू और मुस्लिम समाज की शादियों में समान रूप से देखी जा सकती हैं। 'बहू बेगम', 'मेरे हुजूर', 'मेरे महबूब' आदि फिल्मों में शादी की इन रस्मों को बखूबी प्रस्तुत किया गया है। बी.आर. चोपड़ा ने तो अपनी फिल्म 'निकाह' में शादी के साथ-साथ तीन तलाक जैसे संवेदनशील मुद्दे को भी उठाया है।

पंजाबी-एनआरआई परिवार की 'मानसून वेडिंग': मीरा नायर की 2001 में आई फिल्म 'मानसून वेडिंग', दिल्ली के एक पंजाबी परिवार में शादी के आयोजन और इस दौरान होने वाले उथल-पुथल पर केंद्रित है। फिल्म में ललित वर्मा और उनकी पत्नी पिम्मी अपनी बेटी अदिति की शादी एक एनआरआई हेमंत राय से तय करते हैं। जैसा कि भारतीय समाज में अकसर होता है, इस प्रकार के विवाह में एक बार पूरा विस्तृत परिवार दुनिया भर से आकर एक जगह एकत्र हो जाता है और अपने साथ अपना भावनात्मक अतीत भी लेकर आता है। शादी की तैयारियों के बीच पारिवारिक चुगलियां, राजनीति, साजिशें, हंसी-मजाक, मौज-मस्ती आदि सब कुछ चल रहा होता है और नए प्रेम समीकरण भी विकसित होते हैं। फिल्म को इतनी खूबसूरती से बुना गया है कि 'मानसून वेडिंग' हर किसी को अपने ही परिवार की शादी जैसी लगने लगती है।

इंटरकल्चरल मैरिज पर आधारित 'विक्की डोनर': सुजीत सरकार की 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'विक्की डोनर' में दो अलग-अलग संस्कृतियों से ताल्लुक रखने वाले जोड़े के विवाह को दिखाया गया है। फिल्म में विक्रम उर्फ विक्की (आयुष्मान खुराना) का ताल्लुक पंजाबी अरोड़ा परिवार से होता है, जबकि अशिमा रॉय (यामी गौतम) बंगाली होती है। संतानहीन परिवारों को मोटी रकम के बदले में अपना स्पर्म डोनेट करने वाला विक्की और तलाकशुदा बैंक कर्मचारी अशिमा एक-दूसरे से शादी करना चाहते हैं, लेकिन सांस्कृतिक भिन्नता के कारण दोनों को ही अपने-अपने परिवारों से विरोध का सामना करना पड़ता है। आखिरकार सब कुछ ठीक हो जाता है।

इनमें भी दिखे शादी के अलग-अलग रंग: 'हम दिल दे चुके सनम' फिल्म में गुजराती शादियों को उनके पारंपरिक रूप में दिखाया गया है। 'हम साथ साथ हैं' में शादी और पारिवारिक रिश्ते को बड़ी ही खूबसूरती से पेश किया गया है। आजकल की कई फिल्मों में विवाह को प्रेम, करियर और पहचान के संघर्षों की पृष्ठभूमि में दिखाया गया है, जैसे 'वीरे दी वेडिंग' फिल्म में। 'बैंड बाजा बारात' जैसी फिल्में शादी की योजना और आयोजन को नाटकीय अंदाज में प्रदर्शित करती हैं, जिनमें वेन्यू प्रबंधक, दूल्हा-दुल्हन के परिवार के साथ मिलकर तैयारी करते हैं। *

पॉपुलर हुए विदाई के ये गीत

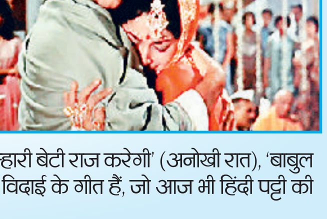

शादी के बाद दुल्हन की विदाई का वक्त कुछ ऐसा होता है, जब मिलन और जुदाई, खुशी और आंसू एक साथ एक ही समय व्यक्त हो रहे होते हैं। हिंदी फिल्मों में विदाई के सिचुएशन पर अनेक गीत बने हैं, जो काफी लोकप्रिय हुए। 'छोड़ बाबुल का घर, मोहे पी के नगर आज जाना पड़ा' (बाबुल), 'खुशी-खुशी कर दो विदा, तुम्हारी बेटी राज करेगी' (अनोखी रात), 'बाबुल की दुआएं लेती जा' (नील कमल) आदि कई ऐसे सदाबहार विदाई के गीत हैं, जो आज भी हिंदी पट्टी की शादियों में विदाई के समय खासतौर से बजाए जाते हैं।